

जिला अस्पताल में इलाज की सुविधाओं में बड़ा विस्तार, 9 माह में 1.35 लाख मरीजों का उपचार

कवर्धा। कबीरधाम जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं के लगातार विस्तार का लाभ जिलेवासियों को मिल रहा है। जनवरी से सितंबर 2026 तक अस्पताल की ओपीडी में 1 लाख 35 हजार 49 मरीजों ने उपचार कराया, जबकि 11 हजार 505 मरीजों को भर्ती कर आईपीडी के माध्यम से उपचार दिया गया। जांच, सर्जरी, प्रसव, डायलिसिस और कैंसर उपचार जैसी सेवाओं के विस्तार से जिला अस्पताल में मरीजों को पहले की तुलना में अधिक सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं।

नौ माह में जिला अस्पताल में 3,016 प्रसव कराए गए, जिनमें 866 प्रसव सर्जरी के माध्यम से हुए। इससे सामान्य के साथ जटिल प्रसव



के मामले में भी अस्पताल की उपचार क्षमता का लाभ मरीजों को मिला। जांच सुविधाओं में भी अस्पताल ने व्यापक सेवाएं उपलब्ध कराईं। इस अर्धवार्षिक में 8,256 एक्स-रे, 6,122 सोनोग्राफी और 1,804 सीटी स्कैन किए गए। वहीं पैथोलॉजी के माध्यम से 3 लाख 12 हजार

413 लैब जांच की गईं। जांच सुविधाएं उपलब्ध होने से मरीजों को बीमारी की पहचान और उपचार के लिए आवश्यक जांच जिले में ही करने की सुविधा मिल रही है। सर्जरी सेवाओं में भी जिला अस्पताल की सक्रियता बढ़ी है। जनवरी से सितंबर के बीच 1,115

मेजर सर्जरी और 1,230 माइनर सर्जरी की गईं। इससे विभिन्न बीमारियों और जरूरत वाले मरीजों को जिला स्तर पर ही आवश्यक शल्य चिकित्सा सुविधा मिल सकी।

किडनी रोगियों के लिए संचालित डायलिसिस सेवा के तहत नौ माह में 32 मरीजों को कुल 3,192 बार डायलिसिस की सुविधा दी गई। कैंसर मरीजों के लिए कोमोथेरेपी सेवा भी उपलब्ध है। गंभीर बीमारियों के उपचार की इन सुविधाओं से मरीजों को नियमित इलाज के लिए बड़े शहरों के अस्पतालों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल रही है। जिला अस्पताल में ओपीडी और आईपीडी उपचार के साथ आधुनिक जांच, प्रसव, मेजर-

माइनर सर्जरी, डायलिसिस और कैंसर उपचार जैसी सुविधाओं का दायरा बढ़ना जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे मरीजों को एक ही संस्थान में जांच से लेकर उपचार तक कई जरूरी सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। जिले में मेडिकल कॉलेज का संचालन भी स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मेडिकल कॉलेज के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा के साथ विशेषज्ञ सेवाओं और आधुनिक उपचार सुविधाओं के विस्तार को गति मिलने की उम्मीद है। इससे कबीरधाम सहित आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलने की संभावना है।

अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस पर विधिक जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बेमेतरा। अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 के प्रमुख प्रावधानों के संबंध में वरिष्ठ नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से विधिक जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशन में यह कार्यक्रम सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन तथा स्वर्णलता ओम यादव, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत वृद्धाश्रम कोबिया, बेमेतरा सहित ग्राम कटई, नवागांव, बहेरा, मोहनपुर तथा तालुका स्तर पर ग्राम परसबोड़ में विधिक जागरूकता एवं



आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकारों, भरण-पोषण की व्यवस्था तथा निःशुल्क विधिक सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयें प्रदान की गईं। इस अवसर पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा स्वर्णलता ओम यादव ने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में आते हैं। ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जो अपनी आय अथवा स्वामित्व

वाली संपत्ति से स्वयं का भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं, वे अधिनियम के तहत भरण-पोषण प्राप्त करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पात्र माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों को अपनी आजीविका और आवश्यक जरूरतों की पूर्ति के लिए आय अर्जित करने वाले वयस्क पुत्र-पुत्री सहित कानून ने निर्धारित उत्तरदायी संतानों से भरण-पोषण प्राप्त करने का अधिकार है। उन्होंने यह भी बताया कि अधिनियम में वरिष्ठ नागरिकों के जीवन एवं संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा आवश्यक उपाय किए जाने का प्रावधान है।

प्राणघातक हमला करने वाले एक आरोपी गिरफ्तार



बेमेतरा। धारदार वस्तु से प्राणघातक हमला करने वाले एक आरोपी गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में एक प्यार आरोपी की पता तलाश जारी है। प्रार्थी महेन्द्र निर्मलकर उम्र 42 वर्ष, निवासी धिवरी थाना खम्हरिया जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि सेवा सहकारी समिति ग्राम खाती के सामने दिनांक 12.09.2026 को ग्राम खम्हरिया से जीवन लोभी, यशवंत ऊर्फ गोलू के साथ जीवन के मोटर सायकल में अपने घर धिवरी आ रहे थे कि रात्रि करीबन 07 से 08 बजे के बीच मोटर सायकल रोककर दोनों एक राय होकर जीवन द्वारा किसी धारदार वस्तु एवं पथर से एवं यशवंत ऊर्फ गोलू द्वारा हाथ मुक्का से हत्या करने की नियत से प्राण घातक हमलाकर चोट पहुंचाया है। ग्राम खाती के ग्राम वासियों के मददसे डायल 112 सेवा, के माध्यम से जिला अस्पताल बेमेतरा पहुंचाया गया, जहां से डॉ. द्वारा मेकाहारा अस्पताल रायपुर

रिफर किया गया। जहां इलाज जारी है कि रिपोर्ट पर थाना खम्हरिया में अपराध सदर धारा 109 (1), 3(5) ब्रह्म-पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एका के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी खम्हरिया निरीक्षक सत्य प्रकाश उपाध्याय को थाना स्टाफ के साथ प्रकरण की विवेचना कार्यवाही में लगाया गया। विवेचना के दौरान आरोपी यशवंत ऊर्फ गोलू निर्मलकर उम्र 27 वर्ष निवासी धिवरी थाना व जिला बेमेतरा को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर जीवन लोभी के साथ मिलकर अपना अपराध स्वीकार किया। प्रकरण में प्यार एक आरोपी की पता तलाश की जा रही है। प्रकरण में विवेचना जारी है। प्रकरण में आरोपी यशवंत ऊर्फ गोलू निर्मलकर पिता रमेश निर्मलकर उम्र 27 वर्ष निवासी धिवरी थाना व जिला बेमेतरा को दिनांक 30.09.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी खम्हरिया निरीक्षक सत्य प्रकाश उपाध्याय, उप निरीक्षक ओंकार प्रसाद साहू, प्रशिक्षु उप निरीक्षक सुरेश चौहान, आरक्षक रमन चंद्राकर।

जनप्रतिनिधियों की मांग पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुसुमकसा में डां आशी जैन को पुनः पदस्थ किया गया



दल्लीराजहरा। विधायक प्रतिनिधि व जनपद सदस्य की मांग पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुसुमकसा में डां आशी जैन को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला बालोद द्वारा पुनः पदस्थ किया गया। विदित हो की 24 सितंबर को डॉ.डी के जनपद पंचायत

कार्यालय के सभागार में साधारण सभा की बैठक आयोजित की गई थी। जहां कुसुमकसा क्षेत्र की जनपद सदस्य मंजु बंस ने प्रमुखता के साथ कुसुमकसा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डा. आशी जैन का स्थानांतरण अन्य किये जाने पर

आपत्ति जताते हुए, उक्त चिकित्सक का स्थानांतरण पुनः कुसुमकसा में किये जाने की मांग की गई। उनकी इस मांग का समर्थन करते हुए विधायक प्रतिनिधि ने दूरभाष पर जिला चिकित्सा अधिकारी से बात की जिस पर उन्होंने 10 दिनों में चिकित्सक का स्थानांतरण कुसुमकसा में कर दिये जाने का आश्वासन दिया था। जिस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने 29 सितंबर को आदेश जारी करते हुए इस चिकित्सक को पुनः कुसुमकसा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ कर दिया गया है।

ग्राम सभा में ग्रामीणों ने खुद लिखी गांव के विकास की नई इबारत

कवर्धा। सेवा संकल्प अभियान के तहत 2 अक्टूबर को जिलेभर में आयोजित विशेष ग्राम सभाओं में गांवों के विकास को दिशा तय करने ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। क्वांअल से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक ग्रामीणों ने अपनी जरूरतों, उपलब्ध संसाधनों और रोजगार के अवसरों पर चर्चा करते हुए विकसित ग्राम पंचायत प्लान तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ाया। ग्राम सभाओं में विकसित भारत रोजगार की गारंटी और आजीविका मिशन ग्रामीणों के तहत गांव की आवश्यकता के अनुरूप विकास कार्यों की प्राथमिकता तय करने पर चर्चा हुई। जी राम जी योजना के चार आधार स्तंभ सशक्तिकरण, विकास, अभिसरण और संतुष्टि के माध्यम से ग्राम पंचायतों को दीर्घकालिक विकास



की दिशा में आगे बढ़ने की रूपरेखा ग्रामीणों के सामने रखी गई। ग्रामीणों ने पंचायत की स्थानीय जरूरतों के आधार पर योजना में सूचीबद्ध 375 कार्यों में से प्राथमिकता वाले कार्यों की पहचान पर विचार-विमर्श किया। इन कार्यों के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ने, स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण करने तथा स्थानीय स्तर पर आजीविका और

स्वरोजगार के नए अवसर तैयार करने पर जोर दिया गया। कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के दौरान आयोजित विशेष ग्राम सभाओं में गांव की जरूरतों और विकास को लेकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया गया। स्वच्छता को लेकर सामूहिक प्रयास, नशामुक्ति का संकल्प और गांव को विकास की मुख्यधारा से

जोड़ने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि विकसित ग्राम पंचायत प्लान में ग्रामीणों की जरूरत और स्थानीय परिस्थितियों को प्राथमिकता दी जा रही है। ग्राम सभाओं में ग्रामीण भारत के लिए 125 दिन के रोजगार, प्रतिदिन 300 रुपये मजदूरी भुगतान, स्थायी निर्माण कार्यों के माध्यम से आजीविका के नए स्रोत और निर्माण कार्यों में ऑनलाइन अर्टेंडेंस जैसी पारदर्शी व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी गई। योजनाओं के अभिसरण से गांव में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर दीर्घकालिक विकास की दिशा तय करने पर जोर रहा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि विशेष ग्राम सभा के अवसर पर जिले की सभी ग्राम

पंचायतों में स्वच्छता ही सेवा के तहत सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई की गई। जनभागीदारी से स्वच्छता का संदेश गांव-गांव तक पहुंचा। उन्होंने कहा कि जी राम जी योजना के तहत ग्रामीणों की इच्छा और आवश्यकता के अनुरूप विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। विशेष ग्राम सभा की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि गांव के विकास की योजना केवल कागज पर तैयार करने के बजाय ग्रामीणों को योजना निर्माण की प्रक्रिया में सहभागी बनाया गया। रोजगार, स्वच्छता, नशामुक्ति, आजीविका, जल संरक्षण और स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण जैसे विषयों पर सामूहिक चर्चा से गांव के भविष्य को विकास रूपरेखा तैयार करने की पहल हुई।

सेवा संकल्प' प्रतियोगिता में तिलेश्वर प्रथम आरव रहे द्वितीय, 5 अक्टूबर को जिला स्तरीय कार्यक्रम में दिखाएंगे दम



बेमेतरा। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के 'सेवा संकल्प' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताओं में डी.ए.वी. मुख्मंत्री पब्लिक स्कूल, जांता के प्रतिभावन विद्यार्थियों ने अपनी कला और ओजस्वी वाणी का ऐसा अद्भुत प्रदर्शन किया कि पूरे ब्लॉक में विद्यालय का परचम लहरा दिया। विद्यालय के छात्रों ने भाषण और चित्रकला विधाओं में प्रथम, द्वितीय और पंचम स्थान प्राप्त कर स्कूल और अंचल का नाम रोशन किया है। इन होनहार छात्रों का चयन जिला स्तर के लिए हुआ है, जो दिनांक 05 अक्टूबर 2026 को बेमेतरा में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। भाषण में तिलेश्वर को प्रथम और चित्रकला में आरव को

मिला द्वितीय स्थान, प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा होते ही डी.ए.वी. जांता में हर्ष का माहौल छा गया। भाषण प्रतियोगिता: कक्षा 5वीं के छात्र तिलेश्वर वर्मा ने मंच से अपने प्रभावशाली और ओजस्वी विचारों से निर्णायकों को मंत्रमुग्ध करते हुए ब्लॉक में प्रथम स्थान हासिल किया। चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता: कक्षा 6वीं के बाल कलाकार आरव साहू ने अपनी सुंदर कल्पनाओं और रंगों के माध्यम से 'सेवा संकल्प' के संदेश को कैनवास पर उकेरा और ब्लॉक में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता (कनिष्ठ वर्ग): कक्षा तीसरी के नन्हे छात्र आशी साहू ने भी अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ब्लॉक में पंचम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्राचार्य पी. एल.

जायसवाल ने दी बधाई और शुभकामनाएं विद्यार्थियों को इस शानदार सफरता पर विद्यालय के यशस्वी प्राचार्य पी. एल. जायसवाल ने सभी विजेता छात्र-छात्राओं, उनके मार्गदर्शक शिक्षकों और सम्मानित विचारों से निर्णायकों को मंत्रमुग्ध करते हुए कहा, यह सफरता हमारे बच्चों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है। डी.ए.वी. संस्था बच्चों के कितनी ज्ञान के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास और रचनात्मकता को निखारने के लिए सदैव तत्पर रहती है। हमें पूरा विश्वास है कि हमारे ये होनहार छात्र 5 अक्टूबर को बेमेतरा में होने वाली जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर जांता स्कूल का नाम पूरे जिले में शीर्ष पर ले जाएंगे।



दल्लीराजहरा। वार्ड क्रमांक 2, 5 और 9 को जोड़ने वाली सड़क के बीच वार्ड क्रमांक 2 गणेश चौक में बना लगभग 20 साल पुराना पुल टूट गया है। पुल टूटने के कारण वाईवासियों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इसी पुल से होकर बीएसपी में कार्यरत कर्मचारी

हट्टी के लिए आते-जाते हैं , साथ ही शंकर तालाब, माईस ऑफिस, 256 कॉलोनी, पुराना बाजार एवं दल्ले माईस जाने के लिए यही सबसे सुगम रास्ता है। पुल टूटने से सभी का आवागमन बाधित हो गया है। वार्ड पार्श्वद पूनम सोमेश जायसवाल ने पुल टूटने की जानकारी नगर पालिका अध्यक्ष को दी। सूचना मिलते ही नगर

पालिका अध्यक्ष ने मौके पर पहुंचकर वस्तुस्थिति का जायजा लिया और पार्श्वद को भरोसा दिलाया कि जल्द से जल्द पुल का निर्माण कराया जाएगा। वार्ड पार्श्वद पूनम जायसवाल ने कहा कि इस पुल से मालवाहक गाड़ियों का भी लगातार आना-जाना होता है। इसलिए सिर्फ मरम्मत के बजाय पुल का पुर्ननिर्माण बेहतरीन

गुणवत्ता के साथ किया जाए, ताकि भविष्य में फिर से पुल टूटने की स्थिति निर्मित न हो। उन्होंने यह भी मांग की कि निर्माण कार्य में देरी न की जाए, क्योंकि आने वाले दिनों में नवरात्रि पर्व है। इसी सड़क से लोग सपरिवार मां दुर्गा के दर्शन के लिए आते-जाते हैं और उक्त स्थल पर भी मां दुर्गा की स्थापना की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

साधु के वेश में पहुंचे तीन लोगों ने महिला से 15 तोला सोना और 9 हजार टगे

रायपुर। फफंडीह में साधु के वेश में पहुंचे तीन लोगों ने बीमारी और पारिवारिक परेशानियां दूर करने का झांसा देकर एक महिला से करीब 15 तोला यानी 150 ग्राम सोने के जेवर और 9 हजार रुपए नकद टग लिए। आरोपियों ने पूजा-पाठ के नाम पर अलग-अलग समय में जेवर लिए और घटना की जानकारी किसी को देने पर परिवार में अनहोनी होने की धमकी दी। गंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, जयलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स निवासी नैना से मार्च 2026 में तीन साधुओं ने संपर्क किया था। इनमें से एक आरोपी ने महिला की बीमारी और आंखों से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताईं, जो सही निकलीं। इससे महिला को आरोपियों पर भरोसा हो गया। इसके बाद आरोपियों ने पूजा-पाठ के जरिए बीमारी और पारिवारिक परेशानियां दूर करने का दावा किया। पहली बार आरोपी करीब तीन ग्राम की सोने की अंगूठी और 9 हजार रुपए ले गया। करीब 10-12 दिन बाद पांच ग्राम की चेन ली गई। इसके बाद आरोपी अलग-अलग समय पर महिला के घर पहुंचते रहे और पूजा के नाम पर जेवर लेते रहे। इस तरह करीब 150 ग्राम सोना आरोपियों के पास पहुंच गया।

शराब पीकर वाहन चलाने पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड

रायपुर। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी अभियान के तहत गिधौरी पुलिस ने ब्रेथ एनालाइजर से जांच के दौरान एक वाहन चालक को शराब के नशे में वाहन चलाते पकड़ा था। पुलिस ने वाहन जब्त कर चालक के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में जिले में वाहन चालकों की नियमित जांच की जा रही है। गिधौरी थाना पुलिस ने जांच के दौरान संबंधित चालक को शराब पीकर वाहन चलाते हुए पकड़ा। ब्रेथ एनालाइजर से जांच के बाद नशे में वाहन चलाने की पुष्टि होने पर वाहन को विधिवत जब्त किया गया और चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। प्रकरण की सुनवाई के बाद न्यायालय ने 1 अक्टूबर को शराब पीकर वाहन चलाने के मामले में संबंधित वाहन चालक पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया। पुलिस के अनुसार अभियान के दौरान शराब के नशे में वाहन चलाते पकड़े जाने वाले चालकों के लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस ने वाहन चालकों से शराब का सेवन कर वाहन नहीं चलाने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि नशे में वाहन चलाने से चालक के साथ-साथ सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ती है। दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जिले में चेकिंग और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पीजीबीटी कॉलेज में फर्जी दस्तावेज के जरिए पांच शिक्षकों का तबादला,मामला दर्ज

रायपुर। तारबाहर स्थित उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान (पीजीबीटी कॉलेज) में फर्जी दस्तावेज के जरिए पांच शिक्षकों के तबादले कराने का मामला सामने आया है। आरोप है कि सेवानिवृत्त प्राचार्य के फर्जी हस्ताक्षर और कॉलेज की सील का इस्तेमाल कर कूटरचित प्रस्ताव तैयार किया गया। इसके बाद प्रस्ताव को स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय और संचालक के समक्ष प्रस्तुत कर तबादला आदेश जारी करा लिया गया। बताया गया है कि इस प्रस्ताव के आधार पर सहायक प्राध्यापक नूर मोहम्मद रिज्वी, व्याख्याता करीम खान, डॉ. सलीम ज़वेद और विद्यापूषण शर्मा समेत पांच शिक्षकों का तबादला किया गया। मामले की जानकारी मिलने पर सेवानिवृत्त प्राचार्य ने एसएसपी से शिकायत की। शिकायत के बाद तारबाहर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने कॉलेज से मूल दस्तावेज और संस्था की सील जब्त कर उनका परीक्षण कराया। जांच में कथित प्रस्ताव पर किए गए हस्ताक्षरों का मूल हस्ताक्षरों से मिलान नहीं होने की बात सामने आई। पुलिस ने पूर्व प्राचार्य मीता मुखर्जी समेत सोहिज कुमार पटेल, अमर कुमार मलिक, माया दत्ता और कार्यालय स्टाफसुखनंदन लाल साहू के बयान दर्ज किए हैं।

17 आपराधिक मामलों में आरोपी मोनिका सचदेव दो माह के लिए जिला बंदर

रायपुर। शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के उद्देश्य से कमिश्नरेट पुलिस रायपुर ने लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपी मोनिका सचदेव के खिलाफजिला बंदर की कार्रवाई की है। पुलिस कमिश्नर रायपुर ने 30 सितंबर 2026 को आदेश जारी कर उसे दो माह के लिए रायपुर समेत छह जिलों की राजस्व सीमाओं से निष्कासित किया है। पुलिस के अनुसार मोनिका सचदेव पति जियाउल, उम्र 35 वर्ष, रावतपुरा कॉलोनी, टिकरापारा क्षेत्र की निवासी है और थाना टिकरापारा की सक्रिय गुंडा बदमाश एवं गैंग हिस्ट्रीशीटर है।

सेवा संकल्प अभियान

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर 500 बुजुर्गों का शॉल-श्रीफल से सम्मान-टंकराम वर्मा

वरिष्ठजनों का अनुभव और संस्कार समाज की अमूल्य धरोहर – मंत्री श्री टंक राम वर्मा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत 'नमो सेवा गाथा' के तहत गांधी जयंती व अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर धमतरी के मेनोनाइट हायर सेकेंडरी इंग्लिश मीडियम स्कूल में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने जिले के लगभग 500 महिला एवं पुरुष वृद्धजनों से आत्मीय भेंट कर उन्हें शॉल एवं श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान मंत्री श्री वर्मा ने विभिन्न हितग्राहीमूलक गतिविधियों के तहत 40 लोगों को स्वामित्व प्रमाण पत्र सौंपे। साथ ही दिव्यांगजनों और बुजुर्गों को व्हीलचेयर व आवश्यक सहायक



उपकरण वितरित किए गए तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय पोषण माह के तहत आयोजित 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम में मंत्री श्री वर्मा ने पांच गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म पूरी कर उन्हें पोषण किट भेंट की। उन्होंने परिसर में लगाए गए विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली और स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल पर स्वयं ब्लड प्रेशर की जांच भी कराई। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि वरिष्ठ

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की रअंत्योदयश्र भावना के अनुरूप केंद्र व राज्य सरकारों स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, बिजली और पेयजल जैसी सुविधाएं दे रही हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में किसानों के हित में धान खरीदी, महिलाओं के लिए रमहतारी वंदनश योजना और स्पेक पेड़ मां के नामश्र जैसे अभियानों को प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रभारी मंत्री ने देहदान और अंगदान करने वाले नागरिकों के योगदान को मानवता की सर्वोच्च सेवा बताया। इसके साथ ही उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। जब युवाओं की ऊर्जा राष्ट्र निर्माण, शिक्षा और सेवा में लगेगी, तभी एक सशक्त भारत का निर्माण होगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरुण सार्वान ने बुजुर्गों के मार्गदर्शन को समाज की सबसे बड़ी पूंजी बताया, वहीं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री निरंजन सिन्हा ने कहा कि वरिष्ठजनों का सम्मान हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है।

कलेक्टर ने रिटायर्ड हुए अधिकारी कर्मचारी का किया गया सम्मान...

रिटायर्ड हुए शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारियों को सभी सत्त्वों कि भुगतान किया गया

रायपुर। संवाददाता

आप सभी सदैव स्वस्थ रहें, दीर्घायु हों, अपने जीवन के द्वितीय पाली का आनंद लें। आपने जीवन भर शासकीय सेवा करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने यह कहते हुए जिले के विभिन्न विभागों से 43 सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रोजेक्ट वंदनके तहत सम्मान किया। साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने हाथों में पेंशन पेमेन्ट ऑर्डर (पीपीओ), ज़ीपीओ सहित सभी सत्त्वों की राशि लेकर

विदा हुए, उनके चेहरे में मुस्कुराहट थी और संतुष्टि का भाव भी था। वे सभी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार प्रकट करते हुए कह रहे थे कि उन्हें बड़ी आसानी से बिना किसी दफ्तर के चक्कर काटे रिटायरमेंट के अंतिम दिन पेंशन का आर्डर हाथों में ही मिल गया और सभी सत्त्वों की राशि भी मिल गई। अब वे बड़े उत्साह के साथ जीवन का आनंद लेंगे। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रोजेक्ट वंदन के तहत जिला प्रशासन द्वारा रिटायरमेंट होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सभी सत्त्वों का निराकरण रिटायरमेंट के दिन ही किया जाता है। उन्होंने कहा कि आप सभी अपने नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्र या स्कूल की रूपरेखा बदलने के लिए सहयोग करें। आपके पास जो भी कितने हैं उसे भी आप जरूरतमंद लोगों को दान में दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा प्रोजेक्ट सेकेण्ड इनिंगचल रहा है।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल दीपक बैज बोले- मतदाता सूची में पारदर्शिता जरूरी

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर सवाल उठाते हुए पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया को लेकर सामने आ रही शिकायतों की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान देशभर में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची



से हटाए गए हैं। बैज ने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि मतदाता सूची में जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उनकी प्रक्रिया की समीक्षा की जाए और पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा शामिल किए जाएं।



छत्तीसगढ़ के लगभग 10 हजार युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

रायपुर। रोजगार की तलाश कर रहे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए बड़ा अवसर सामने आया है। छत्तीसगढ़ सरकार आगामी 7-8 अक्टूबर को रायपुर में दो दिवसीय राज्यस्तरीय रोजगार मेला आयोजित कर रही है। इस रोजगार मेले में करीब 10 हजार युवाओं को नौकरियां मिलने की उम्मीद है। अलग-अलग शैक्षणिक योग्यताओं और हुनर वाले युवा इस मेले में हिस्सा लेकर नौकरियां पा सकते हैं। कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा यह मेला बूढ़ापारा स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रदेश के शिक्षित और प्रशिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। इसके लिए अब तक 62 कंपनियों और प्लेसमेंट एजेंसियों से 9,449 रिक्त पदों की जानकारी सरकार को मिली है।अन्य कंपनियों से भी संपर्क जारी है, जिससे उपलब्ध अवसरों की संख्या और बढ़ने की संभावना है। इस मेले के माध्यम से स्थानीय कंपनियों के साथ राष्ट्रीय स्तर की निजी कंपनियों को भी एक मंच पर लाया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान-सेवा की कहानी

कचरे से कमाई की राह पर कुदरीडीह की स्वेच्छाग्राही दीदियां

घर-घर से कचरा संग्रहण के बाद सेग्रीगेशन शेट में कर रही छंटाई, स्वच्छता के साथ आजीविका को भी मिल रहा आधार

बिक्री योग्य सामग्री को अलग कर कचरे को बना रही उपयोगी संसाधन, गांव को स्वच्छ रखने में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका

रायपुर/ संवाददाता

घरों से निकलने वाला कचरा अगर सही तरीके से एकत्र हो और उसकी व्यवस्थित छंटाई की जाए तो वही कचरा उपयोगी संसाधन बन सकता है। सरगुजा जिले के मैनपाट विकासखंड

की ग्राम पंचायत कुदरीडीह में स्वेच्छाग्राही दीदियां इसी सोच को जमीन पर उतार रही हैं। घर-घर से कचरा संग्रहण और सेग्रीगेशन शेट में उसकी छंटाई के बाद दीदियों ने 650 किलोग्राम बिक्री योग्य कचरे की बिक्री की है। इससे गांव में स्वच्छता बनाए रखने के साथ कचरे से आय की संभावनाओं को भी आधार मिल रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की कड़ी में कुदरीडीह की स्वेच्छाग्राही दीदियां गांव की स्वच्छता व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण से लेकर उसकी छंटाई और बिक्री योग्य सामग्री को अलग करने तक की प्रक्रिया में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। ग्राम पंचायत में घरों से निकलने वाले कचरे को इधर-उधर फेंकने के बजाय स्वेच्छाग्राही दीदियों द्वारा नियमित रूप से एकत्र किया जा रहा है। एकत्र कचरे को सेग्रीगेशन शेट तक पहुंचाने के



बाद उसकी अलग-अलग श्रेणियों में छंटाई की जाती है। इस प्रक्रिया में बिक्री योग्य सामग्री को अन्य कचरे से अलग किया जाता है। इसी व्यवस्था के तहत छंटाई के बाद अब तक कुल 650 किलोग्राम कचरे की बिक्री की गई है। इससे कचरे के व्यवस्थित प्रबंधन के साथ गांव

को स्वच्छ रखने में भी मदद मिल रही है। कुदरीडीह की पहल यह दिखाती है कि घरों से निकलने वाला कचरा केवल निस्तराण की समस्या नहीं, बल्कि उचित संग्रहण और छंटाई के बाद उपयोगी संसाधन भी बन सकता है। बिक्री योग्य कचरे से प्राप्त राशि स्वच्छता

वर्किंग सीजन का पूरा उपयोग करने पीडब्लूडी विभाग तैयार..

विभागीय सचिव ने निर्माणाधीन और स्वीकृत पुलों एवं राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों की समीक्षा की

निर्माण कार्यों के होंगे औचक निरीक्षण, लेट-लतीफी पर होगी कार्रवाई

रायपुर। संवाददाता

लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज सेतु परिक्षेत्र और राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र के अधिकारियों एवं ठेकेदारों की बैठक लेकर प्रदेशभर में निर्माणाधीन तथा स्वीकृत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बरसात की समाप्ति के बाद वर्किंग सीजन का पूर्ण उपयोग करते हुए निर्माणाधीन कार्यों के साथ ही स्वीकृत नए कार्यों को भी पूरी तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी मार्च तक 100 पुलों के निर्माण पूर्ण कर आवागमन के लिए

खोलना है। उन्होंने इसके लिए सभी ठेकेदारों को कार्यस्थलों पर पर्याप्त निर्माण सामग्री, मशीनरी और मानव संसाधन सुनिश्चित करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने नवा रायपुर में पीडब्लूडी मुख्यालय 'निर्माण भवन' में आयोजित बैठक में निर्माणाधीन पुलों एवं राष्ट्रीय राजमार्गों की कार्यवार समीक्षा की। उन्होंने सभी कार्यस्थलों पर पूरी गति से कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सभी समस्याओं का तत्परता से निराकरण कर कार्यस्थलों को ठेकेदारों को सौंपने कहा, ताकि वे पूरी क्षमता से कार्यों की गति दे सकें। उन्होंने कहा कि फ़ैल्टड में कार्यों की कड़ाई से मॉनिटरिंग की जाएगी। वे स्वयं कार्यस्थलों पर जाकर औचक निरीक्षण करेंगे। टाइमलाइन और मानकों के अनुरूप कार्य नहीं होने पर अधिकारियों एवं ठेकेदारों पर कार्रवाई की जाएगी। मुकेश बंसल ने चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 को समाप्ति तक निर्माण कार्यों की अच्छी भौतिक और वित्तीय प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों को निर्धारित समयविधि में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरे करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा।

बिहान योजना ने बदली गीता मिरी की दुनिया..

सब्जी खेती और बकरी पालन से बनी आत्मनिर्भरता की मिसाल

रायपुर। संवाददाता

राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं जब अंतिम व्यक्ति तक पहुँचती हैं, तो वे न केवल आर्थिक स्थिति सुधारती हैं बल्कि जीवन जीने की दिशा भी बदल देती हैं। इसका प्रत्यक्ष मिसाल हैं सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम जेवरा की गीता मिरी। कभी घर-गृहस्थी की चौखट तक सीमित रहने वाली गीता आज क्षेत्र की अन्य ग्रामीण

महिलाओं के लिए प्रेरणापुंज बन चुकी हैं। गीता के पास पहले आय का कोई स्थायी और मजबूत जरिया नहीं था। जीवन में आर्थिक स्वावलंबन का नया अध्याय तब शुरू हुआ जब वे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ीं। समूह के माध्यम से उन्हें 50 हजार रूपए का उद्यमी ऋण प्राप्त हुआ। इस पूंजी को उपभोक्ता वस्तुओं पर व्यय करने के बजाय उन्होंने दूरदर्शिता का परिचय देते हुए अपनी 80 डिसमिल भूमि को दिशा भी बदल देती हैं। इसका प्रत्यक्ष मिसाल हैं सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम जेवरा की गीता मिरी। कभी घर-गृहस्थी की चौखट तक सीमित रहने वाली गीता आज क्षेत्र की अन्य ग्रामीण

गतिविधियों से जुड़े आर्थिक पक्ष को भी मजबूती देती है। कचरे को एकत्र करने, अलग-अलग छंटने और बिक्री योग्य सामग्री को उपयोग में लाने की यह व्यवस्था गांव में बेहतर तोस अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में उपयोगी पहल बन रही है। स्वेच्छाग्राही दीदियों की सक्रिय भागीदारी से कुदरीडीह में स्वच्छता अब सामुदायिक जिम्मेदारी के साथ आजीविका के अवसर से भी जुड़ रही है। घर-घर कचरा संग्रहण से गांव में कचरे के बिखराव को कम करने में मदद मिल रही है, वहीं छंटाई के बाद बिक्री योग्य सामग्री का उपयोग सुनिश्चित हो रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत कुदरीडीह की यह 'सेवा की कहानी' स्वच्छता, सामुदायिक भागीदारी और कचरे से आय की संभावनाओं का उदाहरण है। स्वेच्छाग्राही दीदियों के प्रयासों से कचरा प्रबंधन की व्यवस्था मजबूत होने के साथ गांव को स्वच्छ रखने की मुहिम को भी नई गति मिल रही है।

संपादकीय

हरियाणा में आम लोगों को खुद जांच कराने की सुविधा मुहैया कराने का सरकार का फैसला महत्वपूर्ण है। सामान्य तौर पर बाजार से खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला में उनकी जांच कराने की जिम्मेदारी विभागीय कर्मियों की होती है। शुद्ध और सुरक्षित भोजन हर व्यक्ति का अधिकार है। मगर कुछ लोगों ने खाद्य पदार्थों के बाजार में मिलावट को मुनाफे का औजार बना लिया है। यह केवल कानून के उल्लंघन का प्रश्न नहीं, बल्कि आमजन के स्वास्थ्य और विश्वास

के साथ खिलवाड़ का भी मसला है। रोजमर्रा के जरूरी खाद्य पदार्थों जैसे- दूध, घी, तेल, मसाले, मिठाइयां, दालें और यहां तक कि फलों एवं सब्जियों में भी मिलावट की शिकायतें अक्सर सामने आती रहती हैं।हम स्थिति में हरियाणा में आम लोगों को खुद जांच कराने की सुविधा मुहैया कराने का सरकार का फैसला महत्वपूर्ण है। इसके तहत सार्वजनिक स्थलों पर तैनात संचालित प्रयोगशालाओं में कोई भी व्यक्ति खाद्य वस्तुओं की जांच करा सकता है,

जिनका नतीजा दस से बारह मिनट में मिल जाएगा।अन्य राज्यों को भी इस तरह की पहल करनी चाहिए, लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष हो।भारत में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 पहले से लागू है। असुरक्षित खाद्य पदार्थों के मामलों में कठोर दंड और मृत्यु जैसे गंभीर परिणामों पर आजीवन कारावास तक का प्रावधान भी मौजूद है। फिर भी यदि मिलावटखोरों में कानून का भय नहीं है, तो

समस्या कानून की कमी नहीं, बल्कि उसके प्रभावी अमल की है।गंभीर मिलावट के मामलों के लिए विशेष न्यायिक व्यवस्था और समयबद्ध सुनवाई आवश्यक है। नमूना जांच से लेकर अभियोजन तक प्रत्येक चरण की समयसीमा तय हो। दोष सिद्ध होने पर लाइसेंस रद्द करने, कारोबार बंद कराने और आर्थिक दंड लगाने की कार्रवाई प्रभावी हो। बार-बार अपराध करने वालों के लिए दंड कई गुना कठोर होना चाहिए। यदि मिलावटी खाद्य पदार्थ से किसी व्यक्ति को

गंभीर बीमारी, स्थायी क्षति अथवा मृत्यु होती है, तो ऐसे मामलों में कम-से-कम आजीवन कारावास जैसी कठोरतम सजा सुनिश्चित होनी चाहिए।बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों में केवल कंपनी पर जुर्माना लगाकर जिम्मेदारी समाप्त नहीं होनी चाहिए। जिन निदेशकों, संचालकों अथवा जिम्मेदार अधिकारियों की जानकारी, सहमति या लापरवाही से मिलावटी खाद्य बाजार में पहुंचा, उनकी व्यक्तिगत जवाबदेही तय हो। अपराध से अर्जित लाभ जब्त करने और पीड़ित

परिवारों को पर्याप्त मुआवजा देने की व्यवस्था भी आवश्यक है।खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। नमूना कब लिया गया, किस अधिकारी ने लिया, किस प्रयोगशाला में भेजा गया, रिपोर्ट कब आई और उसके बाद क्या कार्रवाई हुई—इन सभी चरणों का डिजिटल रिकॉर्ड सार्वजनिक निगरानी के दायरे में होना चाहिए। अधिकारियों की मिलीभगत या जानबूझकर की गई लापरवाही को भी गंभीर अपराध माना जाए।

यहीं सरकार के कार्य की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार, देश में बहुआयामी गरीबी 2013-14 में 29.17 प्रतिशत थी, जो 2022-23 में घटकर 11.28 प्रतिशत रह गई। यानी एक दशक में करीब 25 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर आए। मानव इतिहास में इतने बड़े पैमाने पर गरीबी से बाहर निकलने वाले लोगों की यह संख्या दुनिया में दर्ज की गई सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। इस बदलाव में वित्तीय समावेशन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मोदी जी के प्रधानमंत्री पद संभालने के कुछ ही महीनों बाद शुरू की गई प्रधानमंत्री जन-धन योजना के माध्यम से करीब 58 करोड़ भारतीय औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े, जिनमें लगभग आधी महिलाएं हैं। इनमें से बहुत से लोगों के लिए बैंक खाता और औपचारिक बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच का यह पहला अनुभव था। इसी मजबूत आधार पर यूपीआई का विस्तार हुआ।

(आदित्य त्रिवेदी)

गुजरात की बागडोर एक संकटग्रस्त राज्य के रूप में संभालने के पच्चीस वर्ष बाद, नरेंद्र मोदी का शासन मॉडल एक आत्मविश्वासी और परिणाम देने वाले भारत की आधारशिला बन चुका है। गुजरात की बागडोर एक संकटग्रस्त राज्य के रूप में संभालने के पच्चीस वर्ष बाद, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की शासन-यात्रा ने एक ऐसे भारत को परिभाषित किया है, जो अधिक आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी है तथा दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ निर्धारित राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को पूरा करने पर केंद्रित है। जब नरेंद्र मोदी ने अक्टूबर 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, तब राज्य एक कठिन दौर से गुजर रहा था। भूज के भूकंप ने शहरों और कस्बों को तबाह कर दिया था, आर्थिक विकास नकारात्मक हो गया था और नए मुख्यमंत्री के सामने गुजरात को उबारने तथा उसका पुनर्निर्माण करने की एक बड़ी चुनौती थी।पच्चीस वर्ष बाद, उस राहत और पुनर्निर्माण के अभियान ने हमारे समय की सबसे अधिक अध्ययन की जाने वाली शासन-यात्राओं में से एक का रूप ले लिया है।जिन लोगों को नरेंद्र मोदी जी के साथ निकटता से कार्य करने का अवसर मिला है, वे जानते हैं कि इस पूरी यात्रा के दौरान एक सिद्धांत निरंतर बना रहा है; वह है लोककल्याण सुनिश्चित करने के साधन के रूप में सुशासन में उनका विश्वास। आधुनिक प्रबंधन सिद्धांतों के आने से बहुत पहले ही प्राचीन भारतीय चिंतन में इस विचार को अभिव्यक्त किया गया था। भगवद्गीता कर्म में कुशलता को योग के एक रूप के रूप में प्रस्तुत करती है। मोदी जी के लिए शासन का संबंध कर्मयोग की अवधारणा से गहराई से जुड़ा रहा है, अर्थात् दूसरों की सेवा के लिए किया गया काम, जिसमें परिणाम और फल में सबसे पीछे खड़े व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित हो। गुजरात के वर्षों के कुछ आंकड़े इस दृष्टिकोण की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। 2001 से 2012 के बीच राज्य की अर्थव्यवस्था लगभग 10 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ी, जबकि राष्ट्रीय औसत 7.6 प्रतिशत था। कृषि क्षेत्र में भी 8 से 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि गुजरात को व्यापक रूप से एक औद्योगिक राज्य के रूप में देखा जाता था। इसने विकास के स्रोतों को लेकर बनी पारंपरिक धारणाओं को चुनौती दी। 2003 में शुरू हुए वाइब्रेट गुजरात समिट ने राज्य को निवेश के एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मदद की। देश की लगभग पांच प्रतिशत आबादी वाले गुजरात ने भारत के कुल विदेशी निवेश का पांच से सात प्रतिशत आकर्षित किया। गुजरात में उस विकास की नींव रखी जा रही थी, जो आगे चलकर राष्ट्रीय विकास की एक व्यापक गाथा का आधार बनी। 2014 में मोदी जी के राष्ट्रीय मंच पर आने के साथ गुजरात का यह अनुभव 1.4 अरब लोगों वाले देश के शासन तक पहुंचा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा को (आईएमएफ) अब भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करता है और अनुमान है

नमो @ 25-एक चौथाई सदी की डिलीवरी, गांधीनगर से दिल्ली तक



कि 2026 की तीसरी तिमाही में भारत की नाममात्र जीडीपी चार ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगी। एक दशक से कुछ अधिक समय में भारत दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, यह बदलाव देश की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को वैश्विक स्तर पर कहीं अधिक व्यापक मंच पर ले गया है। लेकिन आर्थिक विकास को केवल बैलेंस शीट के आंकड़ों से नहीं मापा जा सकता। इसका वास्तविक महत्व इस बात में है कि इसका लाभ देश के दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों तक कितना पहुंचता है और उनके दैनिक जीवन में कितना सुधार लाता है। यही सरकार के कार्य की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार, देश में बहुआयामी गरीबी 2013-14 में 29.17 प्रतिशत थी, जो 2022-23 में घटकर 11.28 प्रतिशत रह गई। यानी एक दशक में करीब 25 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर आए। मानव इतिहास में इतने बड़े पैमाने पर गरीबी से बाहर निकलने वाले लोगों की यह संख्या दुनिया में दर्ज की गई सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। इस बदलाव में वित्तीय समावेशन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मोदी जी के प्रधानमंत्री पद संभालने के कुछ ही महीनों बाद शुरू की गई प्रधानमंत्री जन-धन योजना के माध्यम से करीब 58 करोड़ भारतीय औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े, जिनमें लगभग आधी महिलाएं हैं। इनमें से बहुत से लोगों के लिए बैंक खाता और औपचारिक बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच का यह पहला अनुभव था। इसी मजबूत

आधार पर यूपीआई का विस्तार हुआ। अक्टूबर 2016 में जहां यूपीआई के जरिए हर महीने करीब 1 लाख लेन-देन होते थे, वहीं 2026 में एक महीने में 24.5 अरब से अधिक लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य करीब 29 लाख करोड़ रुपये रहा। आज भारत यूपीआई को डिजिटल सार्वजनिक अवसरचना के ऐसे मॉडल के रूप में दुनिया के सामने प्रस्तुत करता है, जिसे अन्य देश भी अपना सकते हैं। यह बदलाव केवल वित्तीय क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भौतिक अवसरचना के क्षेत्र में भी व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। रेलवे विद्युतीकरण 2014 से पहले के कुल नेटवर्क के लगभग पांचवें हिस्से से बढ़कर आज 99.6 प्रतिशत तक पहुंच गया है। चार लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई दोगुने से भी अधिक हो गई है। 2014 से 2026 के बीच निर्मित ग्रामीण सड़कों की लंबाई, उससे पहले के 14 वर्षों में निर्मित ग्रामीण सड़कों से भी अधिक है। आज ग्रामीण भारत में प्रतिदिन 22 घंटे से अधिक बिजली उपलब्ध है, जबकि पहले यह मुश्किल से 12 घंटे थी। स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता कवरेज भी पांच वर्षों के भीतर 39 प्रतिशत से बढ़कर पूर्ण कवरेज तक पहुंच गई। इन आंकड़ों के पीछे आम लोगों के रोजमर्रा के जीवन में आए बदलाव की कहानियां हैं, किसी ऐसे परिवार की, जिसे अब घर में बिजली मिलती है; ऐसे विद्यार्थी की, जो रात में रोशनी में पढ़ाई कर सकता है; या ऐसे परिवार की, जिसे बेहतर सड़कों और आवश्यक सेवाओं तक आसानी से पहुंच मिलती है। अवसरचना का वास्तविक प्रभाव इन्हीं रोजमर्रा के अनुभवों में दिखाई देता है। इन प्रयासों

के साथ स्वास्थ्य सेवाओं और सम्मानजनक जीवन की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। आयुष्मान भारत के तहत अब 62 करोड़ से अधिक वंचित और कमजोर नागरिकों को हर वर्ष 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर मिलता है। हाल ही में इसका विस्तार 70 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक तक भी किया गया है। 2014 के बाद से मेडिकल कॉलेजों में सीटों की संख्या दोगुने से अधिक हो चुकी है। रक्षा के क्षेत्र में भी भारत ने महत्वपूर्ण बदलाव दर्ज किया है। जहां भारत लंबे समय तक रक्षा उपकरणों के साथ-साथ आत्मविश्वास के मामले में भी आयात पर निर्भर रहा, वहीं पिछले एक दशक में रक्षा निर्यात 56 गुना से अधिक बढ़कर 80 से ज्यादा देशों तक पहुंच गया है। वहीं, चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला दुनिया का पहला और एकमात्र देश बनाया, जो देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत की बदलती वैश्विक स्थिति ने भी विदेशों का ध्यान आकर्षित किया है। जब हाल ही में मोदी जी भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बने, तो दुनिया भर के नेताओं की ओर से उन्हें बधाइयां मिलीं। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने लिखा कि यह उपलब्धि इस बात को दर्शाती है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र ने बार-बार उनके नेतृत्व पर अपना भरोसा जताया है। भूटान के प्रधानमंत्री ने उन्हें मित्र, भाई और मार्गदर्शक के रूप में संबोधित किया। अमेरिकी और रूसी राष्ट्रपतियों जैसे अलग-अलग दृष्टिकोण रखने वाले नेताओं ने भी परिणामों को आकार देने में उनकी व्यक्तिगत भूमिका का उल्लेख किया है। वे वक्तव्य विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बीच उनके नेतृत्व को मिली वैश्विक महत्ता को दर्शाते हैं। फिर भी, यदि मोदी जी से पूछा जाए कि वे पच्चीस वर्ष उनके लिए क्या मायने रखते हैं, तो शायद इसका उत्तर किसी आंकड़े या रैंकिंग में नहीं मिलेगा। इसके बजाय, इसका उत्तर एक प्राचीन संस्कृत आदर्श में मिल सकता है, सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः सभी सुखी हों, सभी रोग और दुख से मुक्त हों। 2001 में गुजरात से लेकर 2026 में भारत तक की उनकी यात्रा में शासन को सेवा के माध्यम के रूप में देखने का विचार लगातार प्रमुख रहा है। यह दृष्टि 'सेवा' की भावना में निहित है, इस विश्वास में कि सार्वजनिक पद दूसरों के कल्याण के प्रति जिम्मेदारी लेकर आता है।

नागरिक की पहचान एक, दस्तावेज अनेक और सुधार का रास्ता उलझा हुआ, कागजों का दुष्क्र आखिर कब टूटेगा?

(विकेश कुमार बड़ोला)

सत्यापन की प्रक्रिया में नागरिक को हर बार शून्य से शुरूआत करने के लिए विवश करना प्रशासनिक सुविधा नहीं, नागरिक के समय और श्रम पर अनावश्यक बोझ है। तकनीक का लाभ तभी व्यापक होगा, जब विभागीय डेटाबेस के बीच सुरक्षित और स्पष्ट समन्वय के साथ जुटि-सुधार की जिम्मेदारी भी तय हो। आधुनिक दौर में नागरिक की पहचान केवल नाम और चेहरे तक सीमित नहीं रह गई है। जन्म प्रमाणपत्र से लेकर आधार, मतदाता पहचानपत्र, पासपोर्ट, बैंक खाते, मोबाइल नंबर, स्थायी निवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक जीवन के लगभग हर महत्वपूर्ण पड़ाव पर किसी न किसी दस्तावेज की जरूरत पड़ती है। इनका उद्देश्य नागरिक और राज्य के बीच भरोसेमंद पहचान स्थापित करना है। मगर जब एक ही व्यक्ति की अलग-अलग संस्थाओं में दर्ज सूचनाओं में मामूली अंतर रह जाता है, तो यही व्यवस्था सुविधा के बजाय परेशानी का कारण बनने लगती है। समस्या दस्तावेज की संख्या भर नहीं है। असली कठिनाई उनके बीच समन्वय, जिम्मेदारी और सुधार की प्रक्रिया को लेकर है। किसी प्रमाणपत्र में नाम की वर्तनी, जन्मतिथि, पते या अन्य विवरण में त्रुटि हो जाए, तो नागरिक को अक्सर संबंधित कार्यालय, पोस्टल या सेवा केंद्र के बीच चक्कर लगाने पड़ते हैं। एक दस्तावेज में सुधार के लिए दूसरे दस्तावेज की मांग की जाती है और दूसरे में सुधार के लिए पहले प्रमाणपत्र का सहारा लेना पड़ सकता है। ऐसे में नागरिक एक ऐसे दुष्क्र में फंस जाता है, जिसका हल उसके हाथ में नहीं होता।

डिजिटल व्यवस्था के बावजूद क्यों बनी हुई है पहचान की उलझन? – डिजिटल प्रणाली के जरिए इस जटिल स्थिति को कई स्तरों पर सरल बनाने का प्रयास किया गया है, लेकिन यह भी सच है कि डिजिटल होने भर से प्रक्रिया नागरिक-केंद्रित नहीं हो जाती। जन सेवा केंद्रों



और ऑनलाइन पोर्टलों ने आवेदन तथा दस्तावेज जमा करने की सुविधा बढ़ाई है, पर अंतिम सत्यापन और निर्णय का अधिकार अलग-अलग विभागों के पास बना हुआ है।इसका अर्थ यह है कि नागरिक को एक ही सूचना बार-बार अलग संस्थाओं के सामने सिद्ध करनी पड़ सकती है। तकनीक का लाभ तभी व्यापक होगा, जब विभागीय डेटाबेस के बीच सुरक्षित और स्पष्ट समन्वय के साथ जुटि-सुधार की जिम्मेदारी भी तय हो। आधार एक विशिष्ट पहचान संख्या है, जिसका उपयोग अनेक सेवाओं में पहचान के सत्यापन के लिए किया जाता है। बैंक खातों और मोबाइल सेवाओं से जुड़े विवरणों में आधार का इस्तेमाल व्यापक है। ऐसे में आधार या उससे जुड़े रिकॉर्ड में नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर अथवा अन्य सूचना की गड़बड़ी का असर दूसरी सेवाओं पर पड़ सकता है। प्रश्न यह है कि गलती हुई कहां है। यदि त्रुटि किसी विभागीय रिकॉर्ड में हुई है, तो उसके सुधार का पूरा बोझ

नागरिक पर डालना प्रशासन की न्यायसंगत भावना के अनुरूप नहीं माना जा सकता। नागरिक से आवश्यक प्रमाण मांगना अलग बात है, लेकिन विभागों के पास उपलब्ध प्रमाणों और अभिलेखों का परस्पर सत्यापन करना व्यवस्था की जिम्मेदारी होनी चाहिए। यहां एक बुनियादी सिद्धांत सामने आता है- राज्य को नागरिक से पहचान का प्रमाण मांगने के साथ अपनी संस्थागत पहचान और जिम्मेदारी भी स्पष्ट करनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति ने दशकों तक कर चुकाया है, मतदाता के रूप में पंजीकृत है, उसके जन्म, शिक्षा, संपत्ति या पारिवारिक संबंधों के सरकारी अभिलेख उपलब्ध हैं, तो इन सूचनाओं को अलग-अलग द्वीपों की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। सत्यापन की प्रक्रिया में नागरिक को हर बार शून्य से शुरूआत करने के लिए विवश करना प्रशासनिक सुविधा नहीं, नागरिक के समय और श्रम पर अनावश्यक बोझ है। एकीकृत व्यवस्था हो, लेकिन नागरिक के

अधिकारों के साथ इसलिए एकीकृत नागरिक प्रलेख एवं प्रमाणन तंत्र की आवश्यकता पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। इसे किसी नई पहचान संख्या या अतिरिक्त कागजी व्यवस्था के रूप में नहीं, बल्कि मौजूदा प्रणालियों के बीच समन्वयकारी ढांचे के रूप में विकसित किया जाना अधिक उपयोगी होगा। केंद्र और राज्यों के संबंधित विभागों, स्थानीय निकायों, आधार व्यवस्था, निर्वाचन तंत्र, पासपोर्ट प्रणाली तथा अन्य वैधानिक संस्थाओं के बीच स्पष्ट प्रोटोकॉल बनाया जा सकता है। इसमें यह तय होना चाहिए कि कौन-सा मूल रिकॉर्ड किस संस्था के पास रहेगा, कौन-सी सूचना किस परिस्थिति में साझा की जा सकती है, गलती सुधारने की जिम्मेदारी किसकी होगी और नागरिक को आवेदन का कौन-सा रास्ता मिलेगा। इस व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण पक्ष घर-द्वार तक सेवा पहुंचाने की अवधारणा हो सकती है। बुजुर्गों, दिव्यांगों, दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और उन नागरिकों के लिए, जिन्हें बार-बार कार्यालय जाना कठिन होता है, उन्हें प्रशिक्षित सरकारी कर्मचारियों के माध्यम से सत्यापन और दस्तावेजों की सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है। इसके लिए निर्धारित शुल्क हो, तो वह पारदर्शी और सीमित हो तथा गरीब और जरूरतमंद नागरिकों के लिए छूट या निशुल्क सेवा का प्रावधान रखा जाए। नागरिकता के प्रश्न पर विशेष सावधानी जरूरी है। आधार संस्था नागरिकता का प्रमाण नहीं है और किसी पहचान दस्तावेज की मौजूदगी अपने आप भारतीय नागरिकता सिद्ध नहीं करती। इसलिए नागरिकता निर्धारित करने की किसी भी व्यवस्था को मौजूदा कानूनों, तय प्रक्रियाओं और न्यायिक संरक्षण के अनुरूप ही काम करना होगा। केवल संबंधित अधिकारी की व्यक्तिगत धारणा के आधार पर किसी व्यक्ति से नागरिकता छीन लेना गंभीर परिणाम पैदा कर सकता है। नागरिकता से जुड़े मामलों में सुनवाई, प्रमाण प्रस्तुत करने, अपील और स्वतंत्र समीक्षा की पर्याप्त व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए।



कोण्डागांव प्रेस क्लब में चला ‘साइबर जागृति अभियान’ पत्रकारों ने लिया क्विक क्विज में हिस्सा

कोण्डागांव। जिले में लगातार चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत कोण्डागांव प्रेस क्लब में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा, डीएसपी साइबर सेल सिद्धार्थ बघेल, एसडीओपी कोण्डागांव रूपेश कुमार एवं थाना प्रभारी कोण्डागांव सौरभ उपाध्याय उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक द्वारा पत्रकारों को फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी बैंक कॉल, सदिध लिंक व फाइल, सोशल मीडिया फ्रॉड एवं ऑनलाइन निवेश के नाम पर होने वाली ठगी की जानकारी देते हुए बचाव के उपाय बताए गए। कार्यक्रम के दौरान साइबर जागरूकता पर क्विक क्विज का आयोजन किया गया। पत्रकारों से साइबर अपराध एवं सुरक्षा से जुड़े सवाल पूछे गए, जिसमें उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सही जवाब देने वाले प्रतिभागियों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने पत्रकारों से साइबर जागरूकता के संदेश को मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने की अपील करते हुए कहा कि सतर्कता और जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का



सबसे प्रभावी माध्यम है। साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 पर शिकायत करें। जागरूक मीडिया साइबर सुरक्षित समाज कोण्डागांव पुलिस हमेशा आपके साथ।

कोण्डागांव में सर्व पिछड़ा वर्ग समाज की महासभा और रैली, 27 प्रतिशत आरक्षण समेत तीन सूत्रीय मांगों को लेकर जुटे हजारों लोग

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज की ओर से कोण्डागांव के विकास नगर स्टेडियम मैदान में महासभा और अधिकार रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से बड़ी संख्या में ओबीसी समाज के लोग शामिल हुए। समाज की ओर से 27 प्रतिशत आरक्षण, राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम और पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में ओबीसी समाज को भी अधिकार दिए जाने समेत तीन सूत्रीय मांगों को लेकर यह आयोजन किया गया। महासभा के बाद समाज की ओर से रैली निकालकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन सौंपा जाएगा। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था बढाई गई है। भीड़ को देखते हुए शहर के संवेदनशील और प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया। कार्यक्रम के दौरान कोण्डागांव की शराब दुकानों को भी बंद रखा गया। समाज के पदाधिकारियों ने इसे जिला स्तर पर ओबीसी समाज का बड़ा जमावड़ा बताया। आयोजकों के



अनुसार, बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने के चलते सभा स्थल के आसपास मोबाइल नेटवर्क प्रभावित हुआ। आयोजकों और अन्य स्रोतों का दावा है कि, शनिवार को आयोजित सर्व पिछड़ा वर्ग समाज की महासभा और रैली में शामिल होने 40 हजार से अधिक जान कोण्डागांव पहुंचे हैं। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज के जिलाध्यक्ष रमेल दीवान ने बताया कि महासभा के बाद रैली सामुदायिक भवन होते हुए बाजार क्षेत्र और नेशनल हाईवे की ओर जाएगी। इसके बाद एसडीएम कोण्डागांव को ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज की पहली मांग 27 प्रतिशत आरक्षण, दूसरी मांग जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम और तीसरी मांग पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में

रहने वाले ओबीसी समाज को भी अन्य समुदायों की तरह संबंधित अधिकार दिए जाने की है। बस्तर सभा को अलग करने की मांग को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि यह उनके समाज की मांग नहीं है और इस विषय पर समाज की ओर से कोई विचार नहीं किया जा रहा है। संभागीय संगठन महामंत्री नीलकंठ शार्दूल ने कहा कि ओबीसी समाज के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने, राष्ट्रीय जनगणना में अलग कॉलम निर्धारित करने और पांचवीं अनुसूची व पेसा क्षेत्र में रहने वाले ओबीसी समाज को भी अधिकार दिए जाने की मांग है। उन्होंने कहा कि समाज की ओर से आगामी दिनों में अन्य जिलों में भी चरणबद्ध आंदोलन किए जाएंगे।

सोशल मीडिया पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर सख्ती की मांग

सुकमा। सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों की सुरक्षा और नाबालिगों के अकाउंट को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का नागरिक समाज संगठन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस ने स्वागत किया है। संगठन ने केंद्र सरकार से सोशल मीडिया मंचों के लिए ऐसे वैधानिक नियम बनाने की मांग की है, जिनके तहत नाबालिगों से संबंधित भारतीय कानूनों का पालन अनिवार्य हो। संगठन के अनुसार बच्चों के लिए ऑनलाइन दुनिया में कई तरह के खतरों मौजूद हैं। इनमें बाल यौन शोषण से जुड़े सामग्री, ट्रैफिकिंग और साइबर बूलिंग जैसे जोखिम शामिल हैं। संगठन का कहना है कि बच्चों की

ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही तय करने और प्रभावी नियम लागू करने की आवश्यकता है। संगठन से जुड़ी संस्था समर्पित के निदेशक डॉ. संदीप शर्मा ने कहा कि सोशल मीडिया मंचों पर भारतीय कानूनों का उल्लंघन रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन माध्यमों के बच्चों के सामने आने वाले खतरों को देखते हुए उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने की।

सामाजिक संस्था बस्तर सामाजिक जन विकास समिति ने बड़े चकवा और नारायणपाल के बाढ़ पीड़ितों को पहुंचाई राहत सामग्री

जगदलपुर। इंद्रवती नदी और जलाशय के उफान से मची तबाही ने जगदलपुर शहर के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों में भी भारी तबाही मचाई है। इस आपदा की घड़ी में मानवता की मिसाल पेश करते हुए तेतकुटी स्थित संस्था 'बस्तर सामाजिक जन विकास समिति' ने जनपद पंचायत बस्तर के ग्राम बड़े चकवा और नारायणपाल के बाढ़ पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की है। यह सहायता संस्था के पदाधिकारियों, कर्मचारियों, मास्टर ट्रेनरों और वोलон्टियर्स के संयुक्त सहयोग से पहुंचाई गई है। संस्था प्रमुख डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय ने बताया कि बड़े चकवा ग्राम के उप-सरपंच पून सिंह कश्यप एवं नारायणपाल ग्राम के उप-सरपंच लक्ष्मण बघेल द्वारा जन-अपील किए जाने के बाद संस्था के पदाधिकारियों ने स्वयं ग्राम का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया था। पंचायतों की सहमति और वास्तविक जरूरतों को देखते हुए पीड़ित परिवारों को राहत पहुंचाई गई। प्रभावितों को खाट, गर्म कंकल, पानी कैन, तालपत्री (तिरपाल) और चटई प्रदान की गई। विशेष रूप से अल्पविक्रम प्रभावित



9 परिवारों को बर्तन सेट तथा बच्चों की पढ़ाई के लिए अध्ययन सामग्री और चमचले वितरित की गई। साइक्लोन 'अरुन' के कारण फसलों और घर गंजने वाले परिवारों के बच्चों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए संस्था ने विशेष घोषणाएं की हैं। अक्टूबर से मार्च 2027 तक ग्राम बड़े चकवा के पीड़ित बच्चों के लिए अलग से ग्राम के शिक्षित युवा से ट्यूशन भी चालू किया जाएगा जिसका खर्च संस्था वहन करेगी ताकि बच्चों की शिक्षा सुचारू रूप से चल सके। इसके साथ ही, आगामी माह के पश्चात ग्रामो में निशुल्क कौशल प्रशिक्षण केंद्र

संचालित करने का भी आशासन दिशा दिया है, जिससे ग्रामीण युवा आत्मनिर्भर बन सकें। इस आपदा से बस्तर के कई इलाकों में घरों के उजड़ने के साथ खेती-किसानी को भी भारी नुकसान हुआ है। इस विकट परिस्थिति में पूरा बस्तर एकजुट होकर पीड़ित परिवारों की मदद कर रहा है। पिछले 26 वर्षों से बस्तर के आदिवासी एवं ग्रामीण समुदायों के विकास के लिए समर्पित 'बस्तर सामाजिक जन विकास समिति' ने दोहराया है कि वह इस मुश्किल समय में समुदाय के साथ और समुदाय के लिए सदैव मजबूती से खड़ी है।

वोट चोरी के खुलासे के बाद ज्ञानेश कुमार की हो गिरफ्तारी: लालू राठौर

सीईसी ज्ञानेश कुमार के असंवैधानिक फैसलों से लोकतंत्र की हत्या हुई : कमलेश झाड़ी

बीजापुर। जिला मुख्यालय बीजापुर में इंडिया गठबंधन ने संयुक्त प्रेस वार्ता आयोजित कर भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और भाजपा पर देश में वोट चोरी करने का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार की तत्काल बर्खास्तगी, गिरफ्तारी और उनके कार्यकाल के सभी फैसलों की स्वतंत्र जांच की मांग की है। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमिटी बीजापुर के अध्यक्ष लालू राठौर ने कहा कि चुनाव आयोग के भीतर से जो चौकाने वाला सच बाहर आया है, वह अब किसी से छिपा नहीं है। पिछले 10 महीनों में दो निर्वाचन आयुक्तों सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के एकतरफा, मनमाने और असंवैधानिक फैसलों के खिलाफफका, मनमाने और असंवैधानिक फैसलों की खिलाफत से कम 14 बार लिखित अपील दर्ज की थी, ये सभी आपत्तियां लिखित में थीं जिन्हें सुना नहीं गया ये आयोग की आत्मा पर लगे चाव है। लालू राठौर ने प्रेस वार्ता में यह



भी आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर अनधिकृत रूप से नए नाम जोड़े गए, असली मतदाताओं के नाम काटे गए और पूरी आईटी व्यवस्था को दिव्ली में केंद्रित कर राज्य अधिकारियों को अंधेरे में रखा गया। दोनों आयुक्तों को जानबूझकर प्रक्रिया से बाहर रखा गया। यह कोई प्रशासनिक गलती नहीं बल्कि भाजपा और नरेंद्र मोदी को सत्ता का फायदा पहुंचाने के लिए पूरी चुनावी तंत्र का अपहरण है। उन्होंने आगे कहा कि नती प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुरू से देश को बता रहे थे कि सत्तारूढ़ भाजपा के लिए वोट चोरी का पूरा कारखाना चल रहा है। आयोग के अंदर से

निकाल रिकॉर्ड उनके हर आरोप को सही साबित कर रहा है। चुनाव आयोग अब संवैधानिक संस्था नहीं रह गया, वह भाजपा और नरेंद्र मोदी की मुष्टि में बंद मशीन बन चुका है। ज्ञानेश कुमार के एकतरफा फैसलों ने लोकतंत्र की हत्या की है। मतदाता सूची के साथ खिलवाड़ देश के साथ खिलवाड़ है। वहीं सीपीआई (एम) ने जगदलपुर शहर के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों में भी भारी तबाही मचाई है। इस आपदा की घड़ी में मानवता की मिसाल पेश करते हुए तेतकुटी स्थित संस्था 'बस्तर सामाजिक जन विकास समिति' ने जनपद पंचायत बस्तर के ग्राम बड़े चकवा और नारायणपाल के बाढ़ पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की है। यह सहायता संस्था के पदाधिकारियों, कर्मचारियों, मास्टर ट्रेनरों और वोलनटियर्स के संयुक्त सहयोग से पहुंचाई गई है। संस्था प्रमुख डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय ने बताया कि बड़े चकवा ग्राम के उप-सरपंच पून सिंह कश्यप एवं नारायणपाल ग्राम के उप-सरपंच लक्ष्मण बघेल द्वारा जन-अपील किए जाने के बाद संस्था के पदाधिकारियों ने स्वयं ग्राम का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया था। पंचायतों की सहमति और वास्तविक जरूरतों को देखते हुए पीड़ित परिवारों को राहत पहुंचाई गई। प्रभावितों को खाट, गर्म कंकल, पानी कैन, तालपत्री (तिरपाल) और चटई प्रदान की गई। विशेष रूप से अल्पविक्रम प्रभावित

विवेधियों को अलोकतांत्रिक तरीके से खत्म करना चाहती है जो इस देश के लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है, जिसका सीपीआई कड़े शब्दों में विरोध किया। इसलिए इंडिया गठबंधन की मांग है, ज्ञानेश कुमार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त पद से तुरंत हटया जाए। उन पर वोट चोरी और संवैधानिक पद के दुरुपयोग का मामला दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी हो। उनके कार्यकाल में हुई मतदाता सूची की हर कटाई-छंटाई और हर आदेश की स्वतंत्र, पारदर्शी समीक्षा हो। विधियों को कानून के मुताबिक सजा मिले। प्रेस वार्ता के दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुडियम, प्रवीण खोरे, जनपद अध्यक्ष सोनू पोटाप, ज्योति कुमार, बेनहूर रावतिया, सुखदेव नाग, बसंत हपका, पुरुषोत्तम सखू, जितेंद्र हेमला, गिरधारी लाल राठौर, संतोष गुप्ता, अतुल गुप्ता, मंगू खत्री, सेलमैया अंगमपल्ली, विकास साहू, कोवाराम हेमला, आयतु तेराम, मंगू तेलम और लच्छू कोरसा के अलावा बड़ी संख्या में इंडिया गठबंधन की कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गांधी जयंती के अवसर पर लोक उदय फाउंडेशन के Gen Z के साथ कांग्रेस प्रवक्ता नितिन भंसाली ने साफ-सफाई करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया

कोण्डागांव। रायपुर। गांधी जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर के बृहत्तलाला स्थित विवेकानंद सरोवर स्थित उद्यान में लोक उदय फाउंडेशन की Gen 5 टीम ने स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान लोक उदय फाउंडेशन के Gen Z युवाओं के साथ कांग्रेस प्रवक्ता नितिन भंसाली ने उद्यान परिसर में साफ-सफाई करते हुए आम जनता के बीच स्वच्छता का संदेश दिया। कांग्रेस प्रवक्ता नितिन भंसाली ने



कहा कि महात्मा गांधी ने स्वच्छता को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना था, उनके स्वच्छ भारत के

संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए युवाओं की भागीदारी बेहद जरूरी है। अभियान के दौरान युवाओं ने भी स्वच्छता बनाए रखने और दूसरों को इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नितिन भंसाली के साथ लोक उदय फाउंडेशन के देशांत सिंह ठाकुर, आरुष साहू, वैभव यादव, पुष्प पटनायक, अंश टंडन, ईशान शुक्ला, पायल हमीरवासिया, अस्मा खान, स्पर्श देवांगन, आर्कषि भास्कर, अनुष्का गुप्ता, अभिषेक पटनायक, पुष्टि निभानी, यासिका हैन, नैना तिवारी, वेदांशी साहू आदि सदस्य उपस्थित थे।

इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 के विजेता रितेश पाल का कुलदीप जुनेजा शहर अध्यक्ष ने किया सम्मान

रायपुर। उत्तर विधानसभा क्षेत्र के त्रिभुर्ति नगर निवासी रितेश पाल हाल में मुंबई में आयोजित कार्यक्रम india's Best Dancer सीजन 5 के विजेता बनने पर रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा एवं शहर अध्यक्ष कुमार मेनन ने शॉल पहनाकर मोमेंटो भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर जुनेजा ने रितेश को बधाई देते हुये पूरे गांड़ समाज के प्रतिभा को



राष्ट्रीय मंच पर गौरव बढ़ाये रखने की बात कही। शहर अध्यक्ष मेनन ने पूरे प्रदेशवासियों की ओर से बधाई देते हुये उज्ज्वल भविष्य की कामनाये किया। प्रमुख रूप से सुनील भुवाल संजय सोनी, मिलिंद गौतम कमल भूतलहरे सागर तांडी आकाश नाग बसंत बेहरा महेंद्र बाघ राधे नायक, जगन्नाथ नायक दसरथ तांडी सहित सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला स्तरीय भाषण-चित्रकला प्रतियोगिता में आर्कोड का शानदार प्रदर्शन, 4 में से 3 पुरस्कार जीते



किरंदुल। सेवा संकल्प अभियान के तहत आज जिला स्तरीय भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें जिले के विभिन्न विकासखंडों के चयनित छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। विकासखंड कुआर्कोड के विद्यार्थियों ने 4 में से 3 प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीतकर विकासखंड का गौरव बढ़ाया। भाषण प्रतियोगिता प्रथम: शैलजा, सेजेस कुआर्कोड, चित्रकला सीनियर वर्ग प्रथम: राहुल पिंगी, शास. कन्या उच्च. माध्य. विद्यालय किरंदुल, चित्रकला जूनियर वर्ग द्वितीय: सरियम ईसिका, शास. कन्या उच्च. माध्य. विद्यालय कुआर्कोड, चित्रकला जूनियर वर्ग तृतीय: सौरभ कड़ती, आस्था ईल्लश मीडियम। यह सफलता विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भट्टरिया के मार्गदर्शन, खंड स्रोत समन्वयक रतु राणा एवं सहायक खंड शिक्षा अधिकारी मनोज सिंह राठौर के सहयोग तथा संकुल समन्वयक, शिक्षकों व विद्यार्थियों के प्रयासों से मिली। बीईओ कार्यालय ने सभी विजेताओं और उनका मार्गदर्शन करने वाले शिक्षकों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

किरंदुल परियोजना में गांधी-शास्त्री जयंती और स्वच्छ भारत अभियान का आयोजन

किरंदुल। एनएमडीसी लि. की वृहद किरंदुल परियोजना बीआईओएम में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छ भारत अभियान स्वच्छता में सहभागिता, स्वच्छ भारत-विकसित भारत थीम पर मनाया गया। एक दिन-एक घंटा-एक साथ थीम के तहत मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख अधिशासी निदेशक रवीन्द्र नारायण ने अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ प्रशासनिक भवन प्रांगण में स्वच्छता अभियान चलाकर सफाई की। प्रशासनिक भवन प्रांगण में गांधी और शास्त्री जयंती मनाई गई। रवीन्द्र नारायण ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस दौरान परियोजना के अधिकारीगण, यूनियन पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। इसी कड़ी में दोस्तेरवी टॉवर अधिकारियों की आवासीय कॉलोनी में एक पेड़ माँ के नाम के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रेरणा महिला समिति अध्यक्ष नमिता नारायण, मुख्य महाप्रबंधक (उपादन) जे. सी. दास, महाप्रबंधक (टीआईई) एम. सुब्रमण्यन, एसेकएमएस यूनियन अध्यक्ष एस. नोमेश्वर नाथ, सचिव प्रदीप नामदेव, महाप्रबंधक (खनन) धीरेन भूषण, महाप्रबंधक (सामग्री) बी. साय्या, महाप्रबंधक (सविदा) मधुसूदन, उप महाप्रबंधक (वित्त) एस. गुहा सहित वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी व महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रही।



25वां सेवा संकल्प अभियान संपन्न पोषण को लेकर दी गई जानकारी

किरंदुल। नगर पालिका परिषद एवं एकीकृत बाल विकास परियोजना किरंदुल के संयुक्त तत्वावधान में पोषण अभियान के तहत 25वां सेवा संकल्प अभियान अवेबेकर भवन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी सही आहार, ससक्त बचपन, समृद्ध भारत विषय पर चर्चा की गई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा विविध और संतुलित आहार, पर्याप्त प्रोटीन से बेहतरीन पोषण, ताजा गरम पौष्टिक भोजन के महत्व और गर्भवती-धारी माताओं, किशोरियों के पोषण को लेकर जानकारी दी गई। इस दौरान स्थानीय, मौसमी व पौष्टिक आहार की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में सुपोषित भारत-साक्षर भारत, सही पोषण-देश रोशन और छोटे कदम बड़े उद्यम का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विधायक चैतराम अटमपी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अविन्द कुजाम, ओजस्वी मंडवी, संतोष गुप्ता, सत्यजीत चौहान, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी रौलेन्द्र सिंह, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, संयुक्त संचालक जगदलपुर जयंत सिन्हा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशि भूषण महापात्र, अभियंता संजय मारकडे, मंडल अध्यक्ष विजय सोढी, प्रेमशिला मिश्रा, महिला एवं बाल विकास अधिकारी अनिल कुमार लोनिआ, सुपरवाइजर शांति मीडियामी सहित पार्षदागण, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाएं एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।



कार्यक्रम में अध्यक्ष निधि से बर्तन, टेबल-टोपी वितरित की गई, पार्षद थॉमस बाबू दुर्गम निधि से कुर्सी वितरित की गई। गर्भवती महिलाओं को गोद भराई और बच्चों का अन्नप्राशन कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। साथ ही परियोजना में दीर्घकालीन सेवा देने वाली सायरा बानो खान तथा कोकिला को विधायक द्वारा सम्मानित किया गया।

डाइनिंग टेबल के वास्तु नियम

घर को खुबसूरत और सुविधाजनक बनाने के लिए हम फर्नीचर का चुनाव तो सोच-समझकर करते हैं, लेकिन उसे किस जगह रखा जाए, इस पर अक्सर ज्यादा ध्यान नहीं देते। वास्तु में घर के फर्नीचर की दिशा और जगह भी महत्वपूर्ण गानी गई है। ड्रेसिंग टेबल और डाइनिंग टेबल को लेकर कुछ वास्तु मान्यताएं बताई गई हैं। आइए जानते हैं इनमें घर में कहां रखना बेहतर है और किन जगहों पर रखने से बचना चाहिए।



ड्रेसिंग टेबल की दिशा

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, ड्रेसिंग टेबल को उत्तर या पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इसमें लगा आईना कमरे की रोशनी को प्रतिबिंबित करता है, इसलिए इसकी स्थिति पर भी ध्यान देने की सलाह दी जाती है। ड्रेसिंग टेबल को कमरे के दरवाजे के बिल्कुल सामने रखने से बचने की सलाह दी जाती है। अगर इसे बेडरूम में रखा जा रहा है, तो ऐसी जगह चुने जहां कमरे में आने-जाने में परेशानी न हो।

साफ-सफाई का रखें ध्यान

वास्तु से जुड़ी मान्यताओं में साफ-सफाई को खास महत्व दिया जाता है। ड्रेसिंग टेबल का आईना साफ रखें और उसके आसपास सामान बिखरा न छोड़ें। इसी तरह डाइनिंग टेबल पर लंबे समय तक गंदे बर्तन या बचा हुआ खाना रखने से बचना चाहिए। इससे घर को साफ-सुथरा रखने में भी मदद मिलती है।

प्रवेश द्वार से रखें दूर

डाइनिंग टेबल को घर के मुख्य प्रवेश द्वार के ठीक सामने रखने से बचने की सलाह दी जाती है। इसे पूजा स्थान के बिल्कुल सामने रखना भी उचित नहीं माना जाता। व्यावहारिक तौर पर भी प्रवेश द्वार से टेबल को थोड़ा अलग रखना बेहतर है, ताकि आने-जाने के लिए पर्याप्त जगह बनी रहे।

डाइनिंग टेबल की दिशा

डाइनिंग टेबल के लिए वास्तु में पश्चिम दिशा को अनुकूल माना जाता है। उत्तर-पश्चिम दिशा में भी डाइनिंग एरिया बनाया जा सकता है। चूंकि यहां परिवार साथ बैठकर खाना खाता और बातचीत करता है, इसलिए जगह का आरामदायक और हवादार होना भी जरूरी है।



गैस की समस्या से तुरंत छुटकारा पाने के टिप्स

खाना खाने के बाद गैस बनाना सामान्य बात है, लेकिन कुछ लोगों को जरूरत से ज्यादा गैस बनती है। ऐसे में पेट दर्द, बेचैनी, गैस और पेट फूलने की समस्या हो सकती है। कई बार गैस के कारण बैठना भी मुश्किल हो जाता है। अगर गैस लोंक हो जाए तो परेशानी और बढ़ जाती है। गैस की समस्या में राहत पाने के लिए कुछ घरेलू उपाय अक्सर काम करते हैं, इससे तुरंत राहत मिल सकती है। गैस दूर करने के आवर्तुदिक उपावार क्या है?



अजवाइन

पेट में गैस होने पर अजवाइन अक्सर काम करती है। जब पेट में भारीपन, गैस और आंतों में ऐंठन हो तो एक छोटा चम्मच अजवाइन और उसमें थोड़ा काला नमक डालकर खा लें। गर्म पानी के साथ अजवाइन खाने पर गैस की समस्या कम होती है। बच्चों को भी अजवाइन खिला सकते हैं।

हरड़

गैस की समस्या दूर करने के लिए हरड़ को अक्सर इलाज माना जाता है। हरड़ को शहद के साथ मिलाकर खाने से गैस, एरिडिटी और वायु की समस्या

मैं आराम मिलता है।

काला नमक

पेट फूलने और गैस बनने पर काला नमक भी अक्सर काम करता है। आप इसके लिए थोड़ी अजवाइन, जीरा, छोटी हरड़ और काला नमक को बराबर-बराबर लें लें और पीस लें। बड़े लोग 2-6 ग्राम चूर्ण का सेवन करें और बच्चों को थोड़ी कम मात्रा में खिलाएं। इसके बाद गुनगुना पानी पी लें।

अदरक

पेट में गैस की समस्या हो तो अदरक खाना अच्छा माना जाता है। इसके लिए



काली मिर्च और सूखी अदरक

गैस होने पर काली मिर्च और सूखी अदरक भी फायदेमंद होती है। इसके लिए 1 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच सूखी अदरक और 1 चम्मच इलायची को पीसकर मिक्स कर लें। अब खाना खाने के 1 घंटे के बाद आधा चम्मच पानी के साथ लें लें।

अदरक के टुकड़े पर नमक छिड़क कर दिन में 2-3 बार खाएं। इससे गैस की समस्या में छुटकारा मिल सकता है। इससे खाना खाते ही शरीर हल्का रहेगा और भूख भी खुलकर लगेगी।



काली मिर्च और सूखी अदरक

गैस होने पर काली मिर्च और सूखी अदरक भी फायदेमंद होती है। इसके लिए 1 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच सूखी अदरक और 1 चम्मच इलायची को पीसकर मिक्स कर लें। अब खाना खाने के 1 घंटे के बाद आधा चम्मच पानी के साथ लें लें।

आज का राशिफल



मेथ राशि

कुछ राशियों के लिए शनिवार, 3 अक्टूबर 2026 को नौकरी, व्यापार और धन लाभ के अच्छे अवसर बनेंगे, वहीं कुछ जातकों को रुकावट, आर्थिक परेशानी और मानसिक उलझनों का सामना करना पड़ सकता है।



वृषभ राशि

मेथ राशि वालों के नौकरी में 3 अक्टूबर 2026, शनिवार के दिन उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलेगा और नया पद-अधिकार प्राप्त हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति होगी तथा आमदनी के स्रोत बढ़ेंगे। धन लाभ के साथ मान-सम्मान बढ़ेगा।



मिथुन राशि

मिथुन राशि वालों की 1 अक्टूबर 2026, गुरुवार का दिन रोजगार से जुड़े कामों में व्यस्तता रहेगी और आर्थिक जरूरतें पूरी हो सकती हैं। हिफाजत विशेष करने वालों की चाल सफल नहीं होगी। आपकी कमाई तो बनी रहेगी लेकिन खर्च भी साथ-साथ चलता रहेगा। द्वादश भाव में चंद्रमा के आने से दिन का दूसरा भाग मानसिक उलझन दे सकता है। रोहत का भी आपको ध्यान रखना होगा। जीवनसाथी के रोहत को लेकर भी आपको ध्यान देना होगा।



कर्क राशि

बनते हुए कार्यों में शनिवार 3 अक्टूबर को वृषभ राशि वालों को रुकावट आ सकती है। जहां तक रोगव हो, इस समय ज्यादा पेचीदा मामलों में हाथ डालने से बचें। व्यवहार-कुशलता बनाए रखनी होगी हिंसाकर नियोज करने वालों की चाल सफल नहीं होगी आपकी कमाई तो बनी रहेगी लेकिन खर्च भी साथ-साथ चलता रहेगा। द्वादश भाव में चंद्रमा के आने से दिन का दूसरा भाग मानसिक उलझन दे सकता है। रोहत का भी आपको ध्यान रखना होगा।

आज का राशिफल



मिथुन राशि

कर्क राशि वालों को शनिवार 3 अक्टूबर 2026 को परिश्रम के वाक्यद स्थिति मनमाफिक नहीं रहेगी। मानसिक चिंता बनी रह सकती है। भाई-बहन अथवा मित्र वर्ग से कट हो सकता है। लिखा-पढ़ी के काम में विशेष सावधानी बरते रूके हुए काम पूरे होंगे और सफलता की ओर आगे बढ़ेंगे आपकी राशि से दूसरे भाव में सूर्यव और कम भाव में चंद्रमा का गोचर होने से आपका काम भी तेज चलेगा और दिन के दूसरे भाग में आपकी कमाई भी बढ़ेगी।



कन्या राशि

कन्या राशि वालों को शनिवार 3 अक्टूबर 2026 को आकर्षक धन लाभ होने की संभावना है। रोजगार और व्यापार के कार्यों तेजी से चलेंगे तथा आपकी प्रगति होगी। मकान, प्रॉपर्टी और नए व्यापार-ध्वे में सफलता मिलने के योग हैं। मन में नई उम्मीदें जागेगी और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। मित्रों और प्रियजनों का सहयोग मिलेगा। आपको काम कुछ नए अवसर भी देगा जिससे आपको भविष्य में भी लाभ मिलने का संयोग बनेगा।



तुला राशि

तुला राशि वालों का शनिवार 3 अक्टूबर 2026 को काम बनेगा। किसी कार्य से आपको धन प्राप्त होगा और आपकी प्रगति बढ़ेगी। नया काम शुरू होने में अब कोई देरी नहीं होगी तथा अड़बटें दूर होंगी। आर्थिक स्थिति को संतुलित रखने में सफल रहेंगे, लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों पर खर्च बढ़ सकता है दिन के पहले भाग में सज्जन चंद्रमा आपके लिए लिए लाभ और आनंद का संयोग निर्मित करेंगे।



वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि वालों के शनिवार 3 अक्टूबर 2026 को संतान पक्ष के लिए खर्च होगा। यह खर्च उनकी प्रगति के लिए किया जाएगा। घर में बड़े लोगों का सामगम होगा। भूमि, भवन और वाहन सुख के लिए समय अनुकूल रहेगा लंबे समय से सोची गई इच्छा पूरी हो सकती है। कारोबार में अच्छा बदलाव आएगा और आर्थिक लाभ होगा। नौकरी में आपकी स्थिति बेहतर होगी और आपको कुछ नए अवसर भी प्राप्त होंगे।



धनु राशि

धनु राशि वालों के लिए गुरुवार 1 अक्टूबर 2026 को कोई अच्छी खबर मिल सकती है। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपनी क्षमता दिखाने का अच्छा मौका मिलेगा। किसी बड़ी योजना को पूरा करने में कई लोगों का सहयोग मिलेगा। दिन का पहला भाग अनुकूल रहेगा। आप सुख और आनंद के साथ परिवार के साथ वक्त बिता सकते हैं लेकिन दिन के दूसरे भाग में आपके ऊपर काम का अधिक दबाव रह सकता है।



मकर राशि

शनिवार 3 अक्टूबर 2026 को धनु राशि वालों को रोजी-रोजगार में सफलता मिलेगी और यशस्वी कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। अब तक जो कोई इच्छा अधूरी रही है, उसकी पूर्ति होने का सिलसिला शुरू होगा। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपनी क्षमता दिखाने का अच्छा मौका मिलेगा। किसी बड़ी योजना को पूरा करने में कई लोगों का सहयोग मिलेगा। दिन का पहला भाग अनुकूल रहेगा।



कुंभ राशि

शनिवार 3 अक्टूबर 2026 को कुंभ राशि वालों का आवश्यक कार्यों में आपकी व्यवहार-कुशलता सफलता और प्रसिद्धि दिलाने वाली रहेगी। जरूरी कार्यों को पूरा करने में आपकी सुझबुझ प्रशंसीय होगी। माता-पिता और घर के बुजुर्गों के प्रति सम्मान और बढ़ेगा। आपको अपनी चतुर बुद्धि का फायदा मिलेगा। आप नवीन तकनीक और ज्ञान से लाभ प्राप्त कर पाएंगे। भाग्य आपके लिए लाभ का सृजन करेगा।



मीन राशि

मीन राशि वालों को शनिवार 3 अक्टूबर 2026 को मानसिक उलझने बनी रहेगी। जिस व्यक्ति पर आपने अब तक भरोसा किया होगा या स्वयं कष्ट उठाकर उसे सुख दिया होगा, वहीं व्यक्ति आपके विरोध में कार्य कर सकता है। कार्यक्षेत्र में अच्छा काम करने का मौका मिलेगा और आपकी मेहनत की साराहना होगी। धैर्य और समझदारी से परिवार का कोई महत्वपूर्ण काम पूरा कर पाएंगे। आपकी किसी पारिवारिक समस्या का समाधान होगा, किसी बुजुर्ग और अनुभवी व्यक्ति से आपको सहयोग मिल सकता है।

ड्राई फ्रूट्स का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यही वजह है कि डॉक्टरों इस तरह के लोगों को इसका सेवन करने की सलाह देते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स पेटेंट्स को अक्सर ये सलाह देते हैं कि बच्चों को ड्राई फ्रूट्स का सेवन करना चाहिए। लेकिन ज्यादा पेटेंट्स इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि छोटे बच्चों को कब और कैसे ड्राई फ्रूट्स देना चाहिए। अगर आपके मन में भी ये सवाल है तो ये आर्टिकल आपके लिए है। बाल रोग विशेषज्ञ बताया है कि छोटे बच्चों को कब और कैसे ड्राई फ्रूट्स देना चाहिए। तो चलिए जानते हैं।

बच्चों को क्यों देना चाहिए ड्राई फ्रूट्स

काजू, पिस्ता, बादाम जैसे ड्राई फ्रूट्स प्रोटीन, चिटाईमिन, फिटाईमिन, फीटीऑक्सीडेंट का बेहतरीन स्रोत माने जाते हैं। ये बच्चों की ओवरऑल ग्रोथ में मदद करता है। इसलिए इससे बच्चों को जरूर देना चाहिए। नट्स हेल्दी फैट्स का भी गुड स्रोत माने जाते हैं जो बच्चों का वजन बढ़ाने में भी मददगार साबित होते हैं।

आयोडीन की कमी को पूरा करने के उपाय

आयोडीन हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी तत्व है। जिसकी जरूरत शरीर को थायरॉयड हार्मोन बनाने के लिए होती है। ये हार्मोन शरीर के मेटाबॉलिज्म, शरीर का तापमान, एनर्जी लेवल, बच्चे और दिमाग के विकास को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। शरीर में आयोडीन की कमी से घेंघा रोग, थायरॉइड संबंधी समस्याएं, थकान, वजन बढ़ना और बच्चों में शारीरिक व मानसिक विकास में रुकावट जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। इसकी आयोडीन की कमी को कैसे दूर कर सकते हैं।



वजन घटाने के लिए क्या रनिंग से बेहतर होती है वॉकिंग ?

आजकल बढ़ता वजन और पेट की चर्बी कई लोगों के लिए चिंता का विषय बन गई है। ऐसे में फिटनेस की शुरुआत करने वाले लोगों के मन में अक्सर एक सवाल आता है, आखिर वजन घटाने के लिए वॉकिंग बेहतर है या रनिंग? कुछ लोगों का मानना है कि तेजी से दौड़ने से जल्दी वजन कम होता है, जबकि कई लोग नियमित तेज चाल से चलने को ज्यादा असरदार मानते हैं।

वॉकिंग को लंबे समय तक अपनाना होता है आसान

डॉक्टर के अनुसार हर व्यक्ति दौड़ नहीं सकता, लेकिन लगभग हर कोई रोजाना पैदल चल सकता है। वॉकिंग जोड़ी पर कम दबाव डालती है और इसे किसी भी उम्र में आसानी से किया जा सकता है। रोज 30 से 60 मिनट तक तेज चाल से वॉक करना वजन घटाने में मदद कर सकता है। हालांकि, अगर आप फास्ट वॉकिंग करते हैं, तो पहले यह कन्फर्म कर लें कि आपका हार्ट हेल्दी है या नहीं। अगर आपको पहले से कोई हार्ट संबंधी समस्या है, तो डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसकी शुरुआत करें।

रनिंग से तेजी से बर्न होती है कैलोरी

डॉक्टर के अनुसार रनिंग एक हाई-इंटेंसिटी एक्सरसाइज है। इसमें कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न होती है, जिससे वजन घटाने के लिए जरूरी कैलोरी डेफिसिट बनाना आसान हो सकता है। अगर आपकी फिटनेस अच्छी है और किसी तरह की शारीरिक परेशानी नहीं है, तो रनिंग एक अच्छा विकल्प हो सकती है। हालांकि, अगर आप रनिंग शुरू करना चाहते हैं, तो पहले यह कन्फर्म कर लें कि आपका हार्ट हेल्दी है या नहीं। अगर आपको पहले से कोई हार्ट संबंधी समस्या है, तो डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसकी शुरुआत करें।

क्या सिर्फ वॉकिंग या रनिंग से पेट की चर्बी कम होती है?

पेट की चर्बी को किसी एक जगह से अलग से कम नहीं किया जा सकता। जब नियमित एक्सरसाइज और बैलेंस खानपान की मदद से पूरे शरीर का फैट कम होता है, तब पेट के आसपास जमा चर्बी भी धीरे-धीरे कम होने लगती है। इसलिए नियमितता सबसे ज्यादा जरूरी है।

किसके लिए कोन-सा विकल्प बेहतर?

अगर आपको घुटनों में दर्द है, जोड़ों की समस्या है, चोट से उबर रहे हैं या फिटनेस की शुरुआत कर रहे हैं, तो वॉकिंग बेहतर विकल्प है। वहीं, जो लोग फिट हैं और कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करना चाहते हैं, वे रनिंग को अपनी डेली रूटीन में शामिल कर सकते हैं।



खानपान और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी है जरूरी

सिर्फ वॉकिंग या रनिंग पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। पेट की चर्बी कम करने के लिए प्रोटीन, फाइबर, फल, सब्जियां और साबुत अनाज से भरपूर बैलेंस फूड लेना जरूरी है। साथ ही सप्ताह में 2 से 3 दिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर की कैलोरी बर्न करने की क्षमता भी बढ़ती है।

श्राद्ध कर्म में कौवों के लिए क्यों निकाला जाता है खाना?

श्राद्ध कर्म में कौओं के लिए भोजन जरूर निकालना चाहिए। पितृ पक्ष के प्रथम दिन पहला व्योता, दूसरा पूर्वज की मृत्यु की तिथि पर, तीसरा आनंत्रण नवमी तिथि और अंतिम बार पितृ विसर्जन कौओं को आमंत्रित कर भोजन कराने की या उनके निमित्त भोजन निकालने की परंपरा है। कौवों को पितृ का प्रतीक माना जाता है।



- श्राद्ध में कौवे को भोजन खिलाने या उनके निमित्त भोजन निकालने से पितरों को खाना मिलता है और उनकी तृप्ति होती है। इसलिए श्राद्ध में कौओं के नाम का भोजन जरूर निकालना चाहिए।
- पितृ पक्ष में पितरों का जब श्राद्ध कर्म किया जाता है तो उस दिन कौवों के लिए खाना निकाला जाता है। धार्मिक मान्यता है कि कौवों को भोजन खिलाने से पितरों को खाना मिलता है। कहा जाता है कि अगर कौए ने श्राद्ध का भोजन खा लिया है तो इसका मतलब है कि पितरों ने भी भोजन ग्रहण कर लिया है।
- पितरों के लिए बनाए गए भोजन में से पंचबली भोग यानी कौए, गाय, कुत्ते, चींटी और देवों का भोग निकालना जरूरी माना जाता है। कहते हैं कि पितृ उनके रूप में धरती पर आते हैं। इसलिए पितृ पक्ष में कौए को भोजन जरूर कराया जाता है।
- वहीं गरुड़ पुराण के अनुसार, कौए को यम का प्रतीक माना जाता है। अगर कौए श्राद्ध का भोजन ग्रहण कर ले तो पितरों की आत्मा तृप्त हो जाती है। इतना ही नहीं कौए को भोजना कराने से यमराज प्रसन्न

होते हैं और पितरों की आत्मा को भी शांति मिलती है। पितृ पक्ष के दौरान कौए को भोजन कराने से कई गुना अधिक लाभ प्राप्त होगा।



बच्चों को कब और कैसे खिलाएं ड्राई फ्रूट्स



बच्चों को क्यों देना चाहिए ड्राई फ्रूट्स

काजू, पिस्ता, बादाम जैसे ड्राई फ्रूट्स प्रोटीन, चिटाईमिन, फिटाईमिन, फीटीऑक्सीडेंट का बेहतरीन स्रोत माने जाते हैं। ये बच्चों की ओवरऑल ग्रोथ में मदद करता है। इसलिए इससे बच्चों को जरूर देना चाहिए। नट्स हेल्दी फैट्स का भी गुड स्रोत माने जाते हैं जो बच्चों का वजन बढ़ाने में भी मददगार साबित होते हैं।

किस उम्र में बच्चों को दे ड्राई फ्रूट्स

हेल्दी एक्सपर्ट्स जब बच्चा 6 महीने का हो जाता है यानी 180 दिन पूरे होने के बाद बच्चे को नट्स दिया जा सकता है। लेकिन डॉ सदीप गुप्ता का मानना है कि बच्चों 7-8 महीने के बाद नट्स देना चाहिए। वहीं उन्होंने ये भी कहा कि सभी नट्स को एक साथ शुरू नहीं करना चाहिए। अगर आप बच्चे को बादाम देना चाहते हैं तो सबसे पहले इसका पाउडर बना लें और फिर बच्चे को दें। इसके साथ ही ये चेक करें कि इसकी वजह से बच्चे को कोई एलर्जी या रैशेज तो नहीं

बच्चों को कब देना चाहिए ड्राई फ्रूट्स

हेल्दी एक्सपर्ट्स जब बच्चा 6 महीने का हो जाता है यानी 180 दिन पूरे होने के बाद बच्चे को नट्स दिया जा सकता है। लेकिन डॉ सदीप गुप्ता का मानना है कि बच्चों 7-8 महीने के बाद नट्स देना चाहिए। वहीं उन्होंने ये भी कहा कि सभी नट्स को एक साथ शुरू नहीं करना चाहिए। अगर आप बच्चे को बादाम देना चाहते हैं तो सबसे पहले इसका पाउडर बना लें और फिर बच्चे को दें। इसके साथ ही ये चेक करें कि इसकी वजह से बच्चे को कोई एलर्जी या रैशेज तो नहीं

उसे नट्स पेस्ट या पाउडर फॉर्म में ही दें। क्योंकि इसके पार्टिकल्स बच्चे की सांस की नली में अटक सकता है।

बच्चों के लिए कैसे बनाएं नट्स पाउडर

नट्स पाउडर बनाने के लिए एक पैन को गर्म करें फिर इसमें एक कप काजू, पिस्ता, बादाम, अखरोट को अच्छी तरह रोट कर लें। फिर इसे प्लेट में निकालकर ठंडा कर लें। इसके बाद इसे पीसकर पाउडर बना लें। इस नट्स पाउडर को आप बच्चों के दूध में मिलाकर दे सकते हैं या फिर हलवे में भी मिला सकते हैं।

आंखों की थकान दूर करने के लिए क्या करें?

आज के समय में आंखों में थकान की समस्या काफी आम हो गई है। जो लोग घंटों कंप्यूटर पर काम करते हैं। पढ़ाई में ज्यादा समय स्क्रीन पर बिताते हैं या लगातार मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें यह समस्या अधिक हो सकती है। बच्चों और युवाओं में भी यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसलिए आंखों की थकान को हलके में नहीं लेना चाहिए। आइए जानते हैं कि आंखों में थकान होने से क्या समस्याएं हो सकती हैं और इससे बचाव के लिए क्या किया जा सकता है।



जब आंखों को लंबे समय तक आराम नहीं मिलता, तो कई तरह की परेशानियां सामने आ सकती हैं। आंखों में लगातार जलन, लालिमा और खुपापन महसूस हो सकता है। कुछ लोगों को घुंघुल दिखाई देना या फोकस करने में दिक्कत भी हो सकती है। आंखों की थकान सिरदर्द और आंखों के आसपास दर्द का कारण भी बन सकती है। कई बार लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों में पानी आना या रोशनी के प्रति सेंसिटिविटी बढ़ना भी देखा जाता है। अगर यह समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो काम करने या पढ़ाई करने में भी परेशानी हो सकती है। इसलिए आंखों की थकान को नजरअंदाज करना सही नहीं माना जाता और समय पर ध्यान देना जरूरी होता है। आंखों की थकान कम करने के लिए कुछ आसान आदतें अपनाई जा सकती हैं। लंबे समय तक स्क्रीन देखने के दौरान बीच-बीच में आंखों को आराम देना जरूरी है। हर 20 से 30 मिनट में कुछ सेकंड के लिए स्क्रीन से नजर हटाकर दूर देखना फायदेमंद हो सकता है। पर्याप्त नींद लेना भी आंखों की सेहत के लिए जरूरी माना जाता है। इसके अलावा ठंडे पानी से आंखें धोना या कुछ देर के लिए आंखें बंद करके आराम करना भी मदद कर सकता है। काम करते समय सही रोशनी का होना भी जरूरी है। अगर आंखों में थकान बार-बार महसूस हो रही हो, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर माना जाता है।

सफाई मित्रों को हेल्थ कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड का वितरण, एमआरएफप्लांटों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सफाई मित्रों ने लिया स्वच्छ एवं स्वस्थ शहर के निर्माण में सहभागिता का संकल्प

दुर्ग। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान समारोह का नगर पालिक निगम दुर्ग में सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार, एमआईसी सदस्य, पार्षदगण, स्वास्थ्य अधिकारी, निगम के अधिकारी-कर्मचारी, सफाई मित्र एवं स्वच्छता दीर्घियां उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान शहर की स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सफाई मित्रों का सम्मान किया गया। सफाई मित्रों के स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें हेल्थ कार्ड प्रदान किए गए। वहीं नमस्ते योजना के अंतर्गत सफाई मित्रों को आयुष्मान कार्ड का वितरण भी किया गया, ताकि वे शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सफाई मित्रों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ



एवं व्यवस्थित बनाए रखने में सफाई मित्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके कार्यों के सम्मान के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सामाजिक कल्याण को प्राथमिकता देना आवश्यक है। एमआरएफप्लांटों में स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वच्छता शिविर-स्वच्छता ही सेवा अभियान

के तहत नगर पालिक निगम दुर्ग के विभिन्न एमआरएफ प्लांटों में विशेष स्वच्छता शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण कैप भी आयोजित किए गए। शिविर में कार्यरत सफाई मित्रों एवं स्वच्छता कर्मियों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा उन्हें स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान

सफाई मित्रों को कार्यस्थल पर आवश्यक स्वच्छता, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया। नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के माध्यम से सफाई कार्य से जुड़े कर्मचारियों के स्वास्थ्य की देखभाल तथा आवश्यकता पड़ने पर समय पर चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा आयोजित इन गतिविधियों के माध्यम से सफाई मित्रों के सम्मान, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने का संदेश दिया गया। साथ ही नागरिकों से अपील की गई कि वे घर एवं प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे का उचित पृथक्करण करें, सफाई मित्रों के कार्य में सहयोग प्रदान करें तथा उनके प्रति सम्मानजनक व्यवहार रखें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सफाई मित्रों एवं स्वच्छता कर्मियों ने स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर दुर्ग शहर के निर्माण में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

विधायक ने मरोदा में लगाए एक पेड़ माँ के नाम साढ़े चार करोड़ का किया भूमिपूजन



में विकास कार्य कराया जा रहा है। यह अनवरत चलता रहेगा। उन्होंने भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने और विकास कार्य के लिए विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र साहू, एमआईसी सदस्य अनिल देशमुख, संजु नेताम, पार्षद धर्मेन्द्र भगत, शौला नारखेड़े, सविता धवस, ईश्वरी साहू, जमुना ठाकुर, सरिता देवांगन, सारिका साहू, मण्डल अध्यक्ष राजु ज्वेल व अनुप साहू उपस्थित थे। जाने कहां कितना कार्य-वाढ़े 31 शहिद किरण देशमुख वाढ़े में कुल 01 करोड़ 30 लाख 59 हजार की लागत से सीसी रोड, सामुदायिक भवन, गार्डन सौंदर्यीकरण, नाली निर्माण, सड़क चौड़ीकरण कार्य आदि किया जाएगा। वाढ़े 26 अवधपुरी में 02 करोड़ 10 लाख 24 हजार की लागत से शौचालय निर्माण, सीसी रोड, नाली निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, सौंदर्यीकरण, वाढ़े 10 दशरथ मैदान रिसाली सेक्टर में 44 लाख 80 हजार से पुलिया निर्माण, सीसी रोड, चौड़ीकरण, पॉथवे निर्माण और वाढ़े 09 डीपीएस रिसाली सेक्टर में 51 लाख 49 हजार से नाली निर्माण, सौंदर्यीकरण, पॉथवे निर्माण का कार्य किया जाएगा।

सेवा सेतु शिविर में योजनाओं से जुड़ी शिकायतों का निराकरण, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

खारून नदी बाढ़ प्रभावितों के सर्व और मुआवजे का कलेक्टर ने दिया आश्वासन

पाटन। जनपद पंचायत पाटन एवं नगर पंचायत पाटन के तत्वावधान में सेवा सेतु अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े हितग्राहियों को जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को लेकर आवेदन प्राप्त किए गए। शिविर में राशन कार्ड में त्रुटि सुधार, नए राशन कार्ड, बिजली से संबंधित शिकायतें, एग्रीस्ट्रेट सहित विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों के आवेदन प्राप्त किए गए। इनमें से कुछ आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सेवा सेतु शिविर में दुर्ग संभाग आयुक्त एवं दुर्ग कलेक्टर भी पहुंचे। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से हितग्राहियों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक, नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भले सहित जनप्रतिनिधि, एसडीएम, तहसीलदार, एसडीओ, सीएमओ एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। मीडिया से चर्चा के दौरान दुर्ग कलेक्टर ने कहा कि सेवा संकल्प सेतु अभियान के माध्यम से

लोगों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी और सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने लोगों से सेवा संकल्प के तहत सामाजिक हित में अपनी भागीदारी निभाने की अपील भी की। खारून नदी बाढ़ प्रभावितों के सर्व और मुआवजे की बात-खारून नदी में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों के संबंध में पूछे गए सवाल पर कलेक्टर ने प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराकर नियमानुसार उचित मुआवजा दिलाने की बात कही। बाढ़ से प्रभावित परिवारों की स्थिति का आकलन कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की जानकारी दी गई। अमलेश्वर में बाढ़ प्रभावितों से कथित दुर्व्यवहार का मामला भी उठा।

सेवा सेतु शिविर में योजनाओं से जुड़ी शिकायतों का निराकरण, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

खारून नदी बाढ़ प्रभावितों के सर्व और मुआवजे का कलेक्टर ने दिया आश्वासन

पाटन। जनपद पंचायत पाटन एवं नगर पंचायत पाटन के तत्वावधान में सेवा सेतु अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े हितग्राहियों को जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को लेकर आवेदन प्राप्त किए गए। शिविर में राशन कार्ड में त्रुटि सुधार, नए राशन कार्ड, बिजली से संबंधित शिकायतें, एग्रीस्ट्रेट सहित विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों के आवेदन प्राप्त किए गए। इनमें से कुछ आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सेवा सेतु शिविर में दुर्ग संभाग आयुक्त एवं दुर्ग कलेक्टर भी पहुंचे। उन्होंने विभिन्न विभागों



द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से हितग्राहियों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक, नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भले सहित जनप्रतिनिधि, एसडीएम, तहसीलदार, एसडीओ,

खारून नदी बाढ़ प्रभावितों के सर्व और मुआवजे की बात

खारून नदी में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों के संबंध में पूछे गए सवाल पर कलेक्टर ने प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराकर नियमानुसार उचित मुआवजा दिलाने की बात कही। बाढ़ से प्रभावित परिवारों की स्थिति का आकलन कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की जानकारी दी गई।

अमलेश्वर में बाढ़ प्रभावितों से कथित दुर्व्यवहार का मामला भी उठा

इस दौरान मीडिया द्वारा नगर पालिका परिषद अमलेश्वर में बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ कथित दुर्व्यवहार और उन्हें भवन से हटाने के प्रयास से जुड़े मामले को भी कलेक्टर के सामने रखा गया। इस पर कलेक्टर ने मामले की जानकारी नहीं होने की बात कही। बताया गया कि बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों ने इस संबंध में एसडीएम के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार पाटन को सौंपा है। ग्रामीणों का आरोप है कि बाढ़ के दौरान प्रभावित परिवारों को जिस भवन में आश्रय मिला था, वहां से उन्हें हटाने का प्रयास किया गया। ग्रामीणों ने इसका विरोध करते हुए प्रशासन के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई और मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है।

गांधी जयंती पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव और महापौर अलका बाघमार ने झाड़ू लगाकर की स्वच्छता की शुरुआत

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित कर दिया स्वच्छता एवं सेवा का संदेश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत गांधी जयंती के अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव एवं महापौर अलका बाघमार ने डिपरा पारा स्थित शास्त्री चौक में स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने और स्वच्छ एवं सुंदर दुर्ग के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, महापौर अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, आयुक्त लीना कोसम सहित जनप्रतिनिधियों, पार्षदों, पदाधिकारियों, अधिकारी- कर्मचारियों एवं कार्यकर्ताओं ने शास्त्री चौक पहुंचकर स्वच्छता अभियान में सहभागिता की और झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश



दिया। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने महात्मा गांधी को नमन करते हुए कहा कि गांधी जी के विचार और उनका विश्वास आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत है। उन्होंने कहा कि हमें गांधी जी के सपनों का भारत बनाने के लिए स्वयं को समर्पित करना चाहिए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के प्रसिद्ध नारे जय जवान, जय किसान' को भी याद करते हुए उनके योगदान को नमन किया। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि

स्वच्छता केवल अभियान तक सीमित न रहे, बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बने। शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए नगर निगम के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें तथा दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव एवं महापौर अलका बाघमार ने

गांधी चौक, हिंदी भवन के पास महात्मा गांधी एवं शास्त्री चौक में लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित कर दिन की शुरुआत की।इसके साथ ही नगर पालिक निगम दुर्ग परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महात्मा गांधी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। कार्यक्रम में प्रीतपाल बेलचंदन,पूर्व विधायक अरुण वोरा,आयुक्त लीना कोसम, सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, निलेश अग्रवाल, शिव नायक, पार्षद कुलेश्वर साहू, गुलाब वर्मा, रंजीता पाटिल, कमल देवांगन,आरएन वर्मा, शिवेंद्र परितार, अजय तिवारी, जितेंद्र महोदिया, अरुण सिंह,मनमोहन शर्मा, बंटी चौहान, महेंद्र, सुनील साहू सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी , अधिकारी-कर्मचारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भिलाई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर पदुम नगर वाढ़े क्रमांक-19 में स्वच्छता महाअभियान चलाया गया। पार्षद मनीष वर्मा के नेतृत्व में वाढ़ेवासियों ने पदुम नगर गेट से पंचमुखी हनुमान मंदिर तक सड़क एवं आसपास के क्षेत्रों में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के दौरान पार्षद मनीष वर्मा सहित वाढ़े के नागरिकों ने स्वयं सड़क पर उत्कर्ष सफाई की। बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों ने अभियान में सहभागिता करते हुए लोगों को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया। दुकानदारों से डस्टबिन रखने की अपील-स्वच्छता अभियान के दौरान क्षेत्र के दुकानदारों से भी विशेष रूप से अपील की गई कि दुकानों के सामने कचरा न फैलाएं और हर दुकान के सामने डस्टबिन रखें, ताकि दुकान से निकलने वाला कचरा अथवा ग्राहकों द्वारा फेंका जाने



वाला कचरा सड़क पर न बिखरे। पार्षद मनीष वर्मा ने वाढ़ेवासियों से कहा कि स्वच्छता केवल अभियान तक सीमित न रहे, बल्कि इसे रोजमर्रा की आदत बनाया जाए। उन्होंने लोगों से घर और आसपास के क्षेत्र को साफ रखने तथा सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फेंकने की अपील की। नियमित कचरा संग्रहण की मांग उठी- अभियान के दौरान वाढ़ेवासियों ने पार्षद के सामने कचरा संग्रहण वाहन के नियमित रूप से घरों तक नहीं पहुंचने की समस्या भी

स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने में स्वच्छता मित्रों की महत्वपूर्ण भूमिका-महापौर बाघमार

स्वच्छता मित्रों का सम्मान, कैबिनेट मंत्री एवं महापौर ने प्रदान किए उपयोगी सामग्री व प्रमाण पत्र

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को हिंदी भवन के सामने स्वच्छता एवं सेवा की भावना को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव एवं महापौर अलका बाघमार ने स्वच्छता मित्रों एवं स्वच्छता दीर्घियों का सम्मान किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट एवं बेहतर कार्य करने वाले स्वच्छता मित्रों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, वहीं स्वच्छता मित्रों को साड़ी, टी-शर्ट, चटई सहित अन्य उपयोगी सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम में सभापति श्याम शर्मा, कमिश्नर लीना कोसम, एमआईसी सदस्य, पार्षदगण, निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सम्मान समारोह के दौरान स्वच्छता मित्रों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके कार्यों की सराहना की गई तथा स्वच्छ एवं सुंदर शहर के निर्माण में उनकी



भूमिका को महत्वपूर्ण बताया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि स्वच्छता मित्र शहर की स्वच्छता व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। प्रतिदिन सुबह से शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए स्वच्छता मित्र पूरी जिम्मेदारी और मेहनत के साथ अपना दायित्व निभाते हैं। इनके परिश्रम से शहर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है। महात्मा गांधी जी ने स्वच्छता

को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया था और आज उनके जयंती दिवस पर स्वच्छता मित्रों का सम्मान करना उनके योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही स्वच्छ और सुंदर शहर का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि स्वच्छता मित्र नगर

निगम परिवार का अभिन्न हिस्सा है। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को निरंतर बेहतर बनाने में स्वच्छता मित्रों एवं स्वच्छता दीर्घियों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे प्रतिदिन शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देकर स्वच्छता को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता मित्रों के बेहतर कार्यों को प्रोत्साहित करने और उनका मनोबल बढ़ाने के लिए सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया है।महात्मा गांधी जी ने स्वच्छता को सेवा और जिम्मेदारी से जोड़ा था। उनके विचारों को आगे बढ़ते हुए नगर निगम द्वारा स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता और जनभागीदारी को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ रखने में निगम के साथ सहयोग करें, कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें तथा गैले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखें। नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ही दुर्ग को

स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित शहर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, निलेश अग्रवाल, शिव नायक, पार्षद कुलेश्वर साहू, जितेंद्र महोदिया, कमल देवांगन, कार्यपालन अभियंता प्रकाश चंदन, सहायक अभियंता गिरिश दिवन, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गा शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता मित्र एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता मित्रों एवं स्वच्छता मित्र कक्षा गया कि स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वच्छता मित्रों को निरंतर प्रोत्साहित किया जाएगा।

सेक्टर-9 अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्थाओं का सांसद विजय बघेल ने लिया जायजा

भिलाई। दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने गुरुवार को जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र , सेक्टर-9 का दौरा कर अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों को प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) दिए जाने की प्रक्रिया, दवाइयों की उपलब्धता तथा विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली को जानकारी ली। अस्पताल के एचओडी डॉ. उदय ने सांसद विजय बघेल को अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का निरीक्षण कराया।



लगाए गए हैं। इससे कैजुअल्टी सहित अन्य विभागों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। सांसद विजय बघेल ने मरीजों के बैठने के लिए की गई नई व्यवस्था का भी अवलोकन किया। उन्होंने अस्पताल परिसर में बेहतर सुविधाओं और व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि डॉ. उदय के आने के बाद अस्पताल में कई व्यवस्थाओं में सुधार हुआ है तथा मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस दौरान डॉ. उदय ने पुतले के माध्यम से आपातकालीन स्थिति में सीपीआर देने की प्रक्रिया भी समझाई।